डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 05 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 02 मार्च से 08 मार्च 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

मिडिल ईस्ट में महायुद्ध का आगाज़: अमेरिकी-इजराईली हमले में ईरानी सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत

तेहरान। दुनिया इस वक्त एक बहुत बड़े संकट की दहलीज पर खड़ी नजर आ रही है। मिडिल ईस्ट से आ रही खबरों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हड़कंप मचा दिया है। शनिवार की रात ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों के लिए बर्बादी बनकर आई, जहां अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य कार्रवाई करते हुए रणनीतिक केंद्रों को निशाना बनाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत का दावा किया जा रहा है। ईरानी मीडिया एजेंसियों—तसनीम, प्रेस टीवी और फार्स—के अनुसार, इस भीषण हमले में न केवल खामेनेई, बल्कि उनकी बेटी, दामाद और पोती ने भी जान गंवाई है। इस बड़ी क्षति के बाद ईरान में 40 दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया गया है।

भारी तबाही: स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत

रेड क्रिसेंट सोसाइटी के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के इस हमले में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सबसे हृदयविदारक घटना एक स्कूल में हुई, जहां मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस सैन्य कार्रवाई को 'दुनिया के लिए न्याय' करार दिया है, वहीं ईरानी सेना (IRGC) ने इसे अपने महान नेता की अपूरणीय क्षति बताया है।

ईरान का प्रचंड पलटवार: इजराइल और दुबई समेत 9 देशों को बनाया निशाना

इस हमले के जवाब में ईरान ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए 'प्रतिशोध' की कार्रवाई शुरू कर दी है। ईरान ने इजराइल सहित मिडिल ईस्ट के 9 देशों पर करीब 400 मिसाइलें और घातक ड्रोन दागे हैं। इस जवाबी हमले में कतर, कुवैत, जॉर्डन और दुबई में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। यहाँ तक कि दुबई के प्रसिद्ध बुर्ज खलीफा और पाम होटल के पास भी ड्रोन हमलों की सूचना मिली है। ईरान ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह अपने सहयोगियों की रक्षा और प्रतिशोध के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

परमाणु युद्ध की आहट: 'रहबर' के बाद अब अहमद वाहिदी के हाथ में कमान

विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के बीच पुराना न्यूक्लियर प्रोग्राम और बैलिस्टिक मिसाइल विवाद अब एक विनाशकारी मोड़ ले सकता है। अयातुल्ला अली खामेनेई, जो 1989 से ईरान के सर्वोच्च नेता थे और 1979 की इस्लामी क्रांति के प्रमुख स्तंभ माने जाते थे, उनके जाने के बाद अब अहमद वाहिदी को नया कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। वर्तमान में पूरी दुनिया की निगाहें वॉशिंगटन और तेहरान पर टिकी हैं, क्योंकि यहां ऐसे हुई एक भी चूक 'तीसरे विश्व युद्ध' का कारण बन सकती है।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई की मौत के बाद भारत में भी प्रतिक्रिया

ईरान की सरकारी मीडिया ने ख़ामेनेई की मौत की पुष्टि की है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि शनिवार को हुए हमलों में ख़ामेनेई की मौत हो गई। ख़ामेनेई की मौत के बाद कश्मीर और लखनऊ में प्रदर्शन हुए हैं जबकि देश के कई मुस्लिम धर्म गुरुओं ने उनकी मौत पर दुख जताया है। लखनऊ में एक प्रदर्शनकारी महिला ने कहा, "उन्होंने ख़ामेनेई को धोखे से मारा है। अगर एक ख़ामेनेई मारे गए हैं तो हज़ार ख़ामेनेई उठ खड़े होंगे।" ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली ख़ामेनेई के मारे जाने पर शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने कहा, "ये सदी के सबसे दुखद शब्दों में से हैं कि इतनी महान हस्ती, जिसने हमेशा दबे-कुचले लोगों के लिए आवाज़ उठाई, वो चला गया। वो कभी किसी से नहीं डरे, यहाँ तक कि सबसे बड़ी ताक़तों से भी नहीं।" "सबसे बड़ी सुपरपावर ने भी उन्हें झुकाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कभी अपना सिर नहीं झुकाया। इसीलिए उन्हें दुश्मन की तरह देखते थे। वे चाहते थे कि यह आवाज़ दबा दी जाए और ख़त्म कर दी जाए, ताकि वे आज़ादी से ज़ुल्म कर सकें, लूट सकें और लोगों को गुलाम बना सकें।" इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया के चेयरमैन और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के कार्यकारी सदस्य ख़ालिद रशीद फ़रंगी महली ने कहा, "ईरान एक आज़ाद देश है और जिस तरह से उस पर हमला हुआ, वह सभी अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों के ख़िलाफ़ है। हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और इंटरनेशनल समुदाय से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और इस जंग को रोकें।"

ईरान के बाद कौन ? पाकिस्तान या फिर सऊदी अरब !

इज़राईल और अमेरिका का ईरान के ऊपर आक्रमण अंतिम नहीं होगा। ईरान को पूरी तरह नेस्तनाबूद करके या फिर ईरान में अपनी पसंद का शासक लगाकर इज़राईल और अमेरिका निश्चित रूप से दूसरे मुस्लिम देशों को निशाना बनाया जाएगा। जिनसे इज़राईल और अमेरिका को खतरा होने की संभावना है। इनमें सबसे पहला नाम तुर्की हो सकता है क्योंकि तुर्की तकनीकी और आर्थिक रूप से तेजी से विकास कर रहा है। जो इज़राईल और अमेरिका के लिए भविष्य में चुनौती बन सकता है। तुर्की के कारण अमेरिका का डिफेंस निर्यात काफी कम होता जा रहा है। तुर्की के ड्रोन और लड़ाकू विमान की मुस्लिम देशों में बड़ी मांग है। दूसरी तरफ तुर्की इजराईल से भी पूरी दुश्मनी रखता है। इसलिए कहा जा सकता है कि ईरान के बाद अगला नंबर तुर्की का हो सकता है। यदि अमेरिका और इज़राईल यह युद्ध जीतते हैं तो सऊदी अरब और पाकिस्तान भी इजराईल अमेरिका के निशाने पर हो सकते हैं। क्योंकि पाकिस्तान और सऊदी अरब में कुछ समय पहले ही एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश है। इजराईल अमेरिका के लिए मुस्लिम देश के पास परमाणु तकनीक होना ही खतरे के संकेत हैं। इसलिए संभावना यही है कि ईरान के बाद इजराईल अमेरिका का अगला संभावित निशाना सऊदी अरब और पाकिस्तान हो सकता है।

अब दो से ज्यादा बच्चे वाले भी बन सकेंगे पंच, सरपंच और पार्षद, भाजपा सरकार ने रोक हटाई

-कॉंग्रेस का आरोप – भाजपा आरएसएस के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। संघ प्रमुख मोहन भागवत और बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा हिंदुओं को ज्यादा बच्चे पैदा करने की नसीहत के बीच राजस्थान सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। राजस्थान में अब दो से ज्यादा बच्चे वाले भी नगर निकाय और पंचायत के चुनाव लड़ सकेंगे। सरकार ने इस बारे में लगी पाबंदी को वापस ले लिया है। हालांकि कांग्रेस पार्टी इस फैसले पर सवाल खड़े कर रही है और आरोप लगा रही है कि भजन लाल शर्मा की सरकार आरएसएस की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। सियासी घमासान के बीच बैकफुट पर आई सरकार कांग्रेस के आरोपों को नकार रही है।

करीब 30 साल पहले का फैसला बदला

राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार की कैबिनेट की अहम बैठक 25 फरवरी 2026 को विधानसभा के सचिवालय में हुई। बैठक में वैसे तो कई फैसले लिए गए, लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियों में दो से ज्यादा बच्चे वालों के चुनाव लड़ने का रास्ता साफ करने वाला फैसला रहा। राजस्थान की पूर्ववर्ती भैरों सिंह शेखावत की सरकार ने करीब 30 साल पहले यह फैसला लिया था कि राज्य में दो से ज्यादा बच्चों वाले लोग ना तो पंचायत व नगर निकाय का चुनाव लड़ सकेंगे और ना ही सरकारी नौकरी में होने पर प्रमोशन पा सकेंगे।

जल्द ही होने हैं नगर निकाय-पंचायत के चुनाव

राज्य में जल्द ही नगर निकाय और पंचायत के चुनाव होने हैं। चुनाव से ठीक पहले सरकार के इस फैसले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस फैसले को न सिर्फ कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है, बल्कि सरकार की तरफ से यह भी कहा गया है कि विधानसभा के मौजूदा बजट सत्र में ही कानून बनने के लिए इसके बिल का प्रारूप भी सदन में पेश किया जाएगा।

फैसला आरएसएस की विचारधारा से प्रभावित नहीं-राज्यवर्धन राठौड़

कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा, कानून मंत्री जोगाराम पटेल और कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस फैसले के बारे में विस्तार से बताया। सरकार की तरफ से दलील दी गई कि जनसंख्या नियंत्रण को लेकर लोग अब जागरुक हो चुके हैं। लोग अब खुद ही फैसले कर रहे हैं। इस कानून की अब कोई जरूरत नहीं रह गई है। लोग भी इसमें बदलाव चाहते हैं। लोगों की मांग के आधार पर दो बच्चों वाले नियम को वापस लेने का फैसला किया गया है। इस बारे में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि आरएसएस की विचारधारा से प्रभावित होकर यह फैसला कतई नहीं किया गया है। अगर हम संघ के दबाव में होते तो तीन से ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला ही नियम बना देते। वैसे जब इस बारे में सरकार के मंत्रियों से ज्यादा सवाल जवाब किए गए तो उन्हें जवाब देते नहीं बना।

शेष पृष्ठ 2 पर....

विधायक यूनुस खान की इफ्तार पार्टी में उमड़ा जन सैलाब

-सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बनी इफ्तार पार्टी, सभी समुदाय के लोगों ने शिरकत की

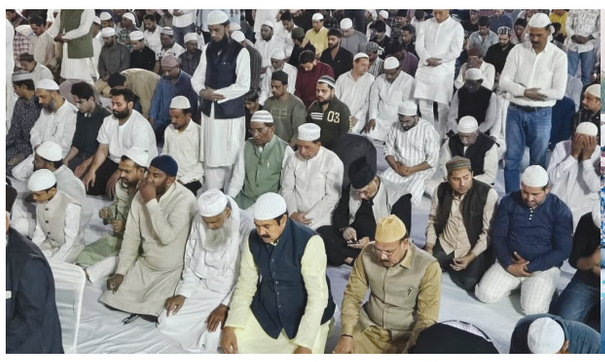

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। डीडवाना विधायक यूऔर पूर्व कैबिनेट मंत्री यूनुस खान द्वारा जयपुर में गुरुवार को एक भव्य 'रोजा इफ्तार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने 'गंगा-जमुनी तहजीब' की जीवंत तस्वीर पेश की, जहाँ हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों ने एक साथ बैठकर रोज़ा खोला। कार्यक्रम में विधायक अमीन कागजी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इंसानियत और एकता का पैगाम

विधायक यूनुस खान ने रॉयल पत्रिका से खास बातचीत करते हुए कहा कि रमज़ान का पवित्र महीना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्म-संयम और इंसानियत की सीख देने वाला समय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब अलग-अलग धर्मों के लोग एक दस्तरख्वान पर साथ बैठते हैं, तो वह समाज में एकता का सबसे बड़ा संदेश होता है। राजस्थान की प्रगति तभी संभव है जब हम एक-दूसरे के धर्म और सम्मान की रक्षा करें।

रोज़ा केवल भूखा रहना नहीं, आत्म-नियंत्रण की सीख

यूनुस खान ने रोज़े के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वह पिछले 47 वर्षों से लगातार रोजा रख रहे हैं। उन्होंने साझा किया कि:* इंद्रियों पर नियंत्रण: असली रोजा वह है जिसमें इंसान अपनी जुबान, गुस्से, शरीर और दिमाग पर काबू रखे। * सब्र और अनुशासन: यह हमें कठिन परिस्थितियों के लिए तैयार करता है और धैर्य (सब्र) सिखाता है। * नीयत की अहमियत: रोजा चाहे किसी भी मौसम में हो, अल्लाह व्यक्ति की नीयत और उसके समर्पण को देखता है।

मक्का का अनुभव और वैश्विक समानता

अपने अनुभवों को साझा करते हुए विधायक ने कहा कि मक्का में 'आखरी अशरा' बिताने के दौरान उन्होंने देखा कि दुनिया भर के लोग, बिना किसी भेदभाव के, एक साथ इबादत करते हैं। यही इस्लाम का असली संदेश है—बराबरी और एकता।

उन्होंने दुआ की कि अल्लाह सभी की दुआओं को कबूल करे और देश में अमन-चैन बनाए रखे। इस रोज़ा इफ्तार आयोजन में सभी समुदाय के लोगों ने शिरकत की। पूर्व मंत्री यूनुस खान हर वर्ष दसवें रोज़े के दिन रोज़ा इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं, जिसमें जयपुर, डीडवाना और प्रदेश के अन्य स्थानों के लोग शिरकत करते हैं। पूर्व मंत्री यूनुस खान द्वारा दी गई यह रोज़ा इफ्तार पार्टी प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द का आयोजन बन गया।

सुप्रीम कोर्ट में हमदर्द की बड़ी जीत

-रूह अफ़ज़ा को माना फ्रूट ड्रिंक

-12.5% की जगह देना होगा 4% VAT

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हमदर्द (वक्फ) लैबोरेटरीज के लोकप्रिय ड्रिंक 'रूह अफ़ज़ा' (Rooh Afza) को लेकर बड़ा और अहम फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि रूह अफ़ज़ा को फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट की कैटेगरी में रखा जाएगा और इस पर 12.5% के बजाय केवल 4% वैट लगेगा। यह फैसला उत्तर प्रदेश वैल्यू एडेड टैक्स एक्ट, 2008 (यूपी वैट अधिनियम) के तहत कर निर्धारण से जुड़ा है। जस्टिस बी. वी. नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि कई राज्यों में रूह अफ़ज़ा को पहले से ही रियायती दर पर टैक्स के दायरे में रखा गया है, जिससे हमदर्द की दलील मजबूत होती है। पीठ ने यह भी माना कि उत्पाद को फ्रूड ड्रिंक मानने की व्याख्या 'न तो कृत्रिम थी और न ही अव्यावहारिक, बल्कि व्यावसायिक रूप से मान्य और वास्तविक' थी। अदालत ने कहा कि रूह अफ़ज़ा को अधिनियम की अनुसूची-II की प्रविष्टि 103 के तहत फ्रूट ड्रिंक/प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इसलिए संबंधित आकलन वर्ष के दौरान यह उत्पाद 4 प्रतिशत की रियायती वैट दर पर कर योग्य होगा।

शेष पृष्ठ 2 पर....

रामपुरा डाबड़ी में महिलाओं का सम्मान समारोह का किया पोस्टर विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। रामपुरा डाबड़ी ग्राम पंचायत में बुधवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के तत्वावधान में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बलाई सभा-भवन मोरीजा रोड़ चौमूं में आयोजित होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन किया गया। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार एवं समारोह के मुख्य संयोजक लालाराम मेहरड़ा ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली समाज की महिलाओं एवं समारोह में शामिल होने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में अधिकाधिक संख्या में महिलाओं को पहुंचने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान समिति के उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनिवाल, सदस्य घीसालाल बबेरवाल, गोवर्धन लाल बिदावत, निशा बुनकर, पूजा, रजनी, बसंती, मीना, छोटी देवी, सीमा देवी, मोनिका देवी, अनीता देवी, लाड़ा देवी, संजू देवी, भगवती देवी, सुनीता देवी, कांता देवी, सुमित्रा देवी आदि मौजूद रहे।

साबिर खान ने सवाई माधोपुर में सेवा और सौहार्द की मिसाल कायम की

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिले के गौगोर निवासी और जादौन इंटरप्राइजेज के मालिक साबिर खान अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता और जनसेवा के कार्यों के कारण विशेष चर्चा में हैं। विपरीत परिस्थितियों में आगे बढ़कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का उनका प्रयास क्षेत्र में सराहना का विषय बना हुआ है। गत वर्ष जुलाई और अगस्त माह में जब जिला अतिवृष्टि के कारण बाढ़ की चपेट में था और जड़ावता गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में किसानों की कई बीघा भूमि कटाव का शिकार हो गई तथा अनेक मकान क्षतिग्रस्त हो गए, उस समय सरकारी सहायता पहुंचने से पहले ही साबिर खान ने पहल करते हुए जेसीबी मशीनों की व्यवस्था कर प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाई। उनके इस त्वरित सहयोग से अनेक परिवारों

को बड़ी राहत मिली और पुनर्वास कार्यों में गति आई।

सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहज़ीब की सुंदर मिसाल:-

साबिर खान सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाते हैं। हाल ही में उन्होंने सवाई माधोपुर के भडोली स्थित आश्रम में आयोजित जगतगुरु स्वामी श्री नित्यानंद गिरि जी महाराज के वार्षिक महोत्सव में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए भण्डारे लगाने हेतु 3 लाख रुपये की सहयोग राशि भेंट कर सामाजिक समरसता और गंगा-जमुनी तहज़ीब की सुंदर मिसाल पेश की। इतना ही नहीं साबिर खान विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के कार्यक्रमों में 'भामाशाह' के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए शिक्षा, सेवा और सामुदायिक विकास के कार्यों में योगदान दे रहे हैं। उनका मानना है कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को गरीब, असहाय और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए, जिससे समाज में सकारात्मकता, सद्भाव और सहयोग की भावना सुदृढ़ हो सके। साबिर खान के निरंतर सामाजिक योगदान ने सवाई माधोपुर जिले में एक अलग और प्रेरणादायक पहचान स्थापित की है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि ऐसे प्रयास न केवल आपदा के समय संबल प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

सवाई माधोपुर में चार दिवसीय खेल सप्ताह का समापन

-विजेता एवं उपविजेता टीमों और प्रतिभागियों को मैडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय द्वारा आयोजित चार दिवसीय खेल सप्ताह का शनिवार को उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। 25 से 28 फरवरी तक चले इस खेल सप्ताह में छात्र-छात्राओं ने खेल भावना के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजराम मीना ने विजेता एवं उपविजेता टीमों और प्रतिभागियों को मैडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सैयद बलीग अहमद ने बताया कि खेल सप्ताह के अंतर्गत क्रिकेट, वॉलीबाल, कबड्डी, चैस, बैडमिंटन, कैरम, 100 एवं 200 मीटर दौड़ तथा रस्साकशी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में पांचवां सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा तथा नवीन सैनी मैन ऑफ द मैच घोषित हुए, जबकि महिला वर्ग में तृतीय सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा और काजल नागर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। कबड्डी पुरुष वर्ग में प्रथम सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहे, वहीं महिला वर्ग में पांचवां सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर उपविजेता रहा। वॉलीबाल पुरुष वर्ग में प्रथम सेमेस्टर विजेता एवं छठा सेमेस्टर

उपविजेता रहा। कैरम पुरुष वर्ग में रवीन्द्र रॉय विजेता एवं सूरज उपविजेता रहे, जबकि महिला वर्ग में निकिता वर्मा विजेता एवं गरिमा अग्रवाल उपविजेता रहीं। चैस पुरुष वर्ग में मोहित मनिक विजेता एवं रीतेश उपविजेता रहे। 100 एवं 200 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में सोनेन्द्र विजेता एवं अभिषेक उपविजेता रहे, जबकि महिला वर्ग में रिंका विजेता एवं एकता सैनी उपविजेता रहीं। बैडमिंटन सिंगल्स महिला वर्ग में निशा चौधरी विजेता एवं दिव्य शर्मा उपविजेता रहीं तथा पुरुष वर्ग में मोहित मनिक विजेता एवं रवीन्द्र रॉय उपविजेता रहे। बैडमिंटन डबल्स पुरुष वर्ग में रवीन्द्र रॉय व सागर शर्मा विजेता तथा मोहित मनिक व अनुराम उपविजेता रहे। रस्साकशी पुरुष वर्ग में पांचवां सेमेस्टर विजेता एवं प्रथम सेमेस्टर उपविजेता रहा, जबकि महिला वर्ग में प्रथम सेमेस्टर विजेता एवं तृतीय सेमेस्टर उपविजेता रहा।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. तेजराम मीना ने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं तथा ये टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल सप्ताह के सफल आयोजन में आशीष महावर, मुकेश कुमार मित्तल, हेमलता मीना, मोहम्मद साजिद, दिनेश कुमार मीना सहित समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

रोज़ो में नेकियों का भाव 70 गुणा बढ़ जाता हैं - डॉ. इमरान खान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर इमरान खान सीनियर मेडिकल ऑफिसर गोरवमेंट ऑफ राजस्थान सरकार ने कहा कि रोजो में नेकियों का भाव बढ़ जाता हैं एक नेकी के बदले 70 नेकी का बदला दिया जाता हैं यह शब्द डॉक्टर खान ने एक विशेष भेंट के दौरान में कहे। डॉक्टर खान ने समझाया कि भारत या किसी भी देश में एक नेकी करने पर 1 नेकी (पुण्य) व रमजानों में 70 नेकियों का सवाब मिलता है इधर सऊदी अरब में

स्तिथ मक्का मदीने में एक नेकी करने पर 1 लाख नेकी व रमजानों में 70 लाख नेकियों का सवाब मिलता है। इसीलिए अरबो खरबों नेकियां कमाने वाले उमराह करने के लिए रमजान के पवित्र माह का महीना चुनते हैं क्योंकि रोजो में 1 नेकी के बदले में 70 नेकियां मिलती हैं यानी नेकियों का भाव 70 गुणा बढ़ जाता हैं। इसलिए उमराह करने वाले को एक नेकी करने पर अब 1 लाख के स्थान पर 70 लाख नेकी मिलती हैं।

ग़ज़ल

उसके जलवों की बात क्या छेड़ी
रात - भर नूर की बरसात हुई
तौबा करने से उसने माफ़ किया
फिर ना वैसी मुलाकात हुई
आजीज़ी देखी न सुनी थी कभी
आंख से क़तरों की बरसात हुई
चन्द लम्हों में इकरार कर लियातो
मेरे आंगन में फिर शब रात हुई
ऐसे हालात भी गुज़रें हैं साथ मेरे
रात गुज़ारी ना गहरी बात हुई
मेरी मायूसी ज़माना नहीं समझा
हां थी फिर भी तहकीकात हुई

-फ़ज़लुर्रहमान

जाहोता में महिलाओं का सम्मान समारोह को लेकर बैठक सम्पन्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जाहोता ग्राम पंचायत में बलाई विकास समिति जयपुर, मुख्यालय-चौमूं के तत्वावधान में आगामी 8 मार्च को महिला दिवस पर बलाई सभा-भवन मोरीजा रोड़ चौमूं में आयोजित होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह को लेकर समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में समाज के लोगों की बैठक हुई। बैठक में समारोह की तैयारियों को लेकर चर्चा-परिचर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष एड. बद्रीनारायण परिहार एवं समारोह के मुख्य संयोजक लालाराम मेहरड़ा ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं एवं समारोह में शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सम्मान किया जाएगा। साथ ही समारोह में अधिक से अधिक महिलाओं को पहुंचने के लिए आह्वान किया। इस मौके

पर पंचायत समिति सदस्य व समारोह के सहसंयोजक सुनीता वर्मा, सहसंयोजक व उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया, सहसंयोजक व उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनिवाल, सहसंयोजक व सदस्य घीसालाल बबेरवाल, गोवर्धन लाल बिदावत, रामगोपाल डोई, शंकरलाल खंडेलवाल, बनवारी लाल लुनिवाल, मुकेश खंडेलवाल, महेश लुनिवाल, दीक्षांत लुनिवाल, हरिनारायण, कौशल्या देवी, सरजू देवी, आशा वर्मा, कमला देवी, मीरा देवी, कंचन लता, सोनम वर्मा, ग्यारसी देवी, कृष्णा, राजू देवी, पूजा देवी, मंजू देवी, संतोष देवी, पूजा देवी, शांति, लक्ष्मा देवी, गुलाब देवी, अनीता देवी, पुष्पा देवी, मोहिनी देवी, माया देवी आदि मौजूद रहे।

अशोका पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के रामदास कॉलोनी स्थित अशोका पब्लिक स्कूल में विज्ञान दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति विज्ञान विषय से संबंधित विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने द्वारा निर्मित कार्यशील मॉडल्स एवं प्रोजेक्ट को प्रदर्शित किया। विज्ञान दिवस पर आयोजित इस प्रदर्शनी में लगभग 46 मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक आलोक जोशी ने कहा कि विद्यालय थ्योरी के साथ साथ प्रायोगिक ज्ञान दिए जाने हेतु प्रतिबद्ध है। विद्यार्थी

द्वारा अपने द्वारा विद्यार्थी जीवन में किए गए प्रयोग जीवन पर्यन्त उसकी स्मृतियों में रहते है और विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक ज्ञान नितांत आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इन 46 मॉडल्स को लगभग 103 विद्यार्थियों ने मिलकर अपने विषय अध्यापक के निर्देशन में तैयार किया है। कार्यक्रम में मनोज कुमार जोशी, मंजु शर्मा, रेणु वैष्णव, नीलम शर्मा, संजय शर्मा, मधु गुप्ता, संजय कुमावत, हिमांशु जोशी, आयुष्मान मुद्गल, ओमप्रकाश शर्मा, लोकेश पलसानिया, सोहन कलवानिया, सिमरन हल्दुनिया, कमलेश शर्मा, रवि शर्मा, कामिनी शर्मा, ज्वाला प्रसाद चेजारा, संगीता शर्मा, ललिता शर्मा, सविता गुप्ता, रितु सक्सेना, बाबूलाल यादव, रिया कुमावत, सीमा सैनी, अभय मुद्गल, प्रीति कुमावत, बनवारी लाल शर्मा सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

जालसू में कालूराम सामरिया ने किया समारोह का पोस्टर विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। जालसू ग्राम पंचायत में स्थित जय बाबा रामदेव मंदिर परिसर में मंगलवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं की ओर से 8 मार्च को महिला दिवस पर बलाई सभा-भवन मोरीजा रोड़ चौमूं में आयोजित होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन समिति के उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया के नेतृत्व में किया गया। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया व उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनिवाल ने बताया कि समारोह में प्रशासनिक, शैक्षिक, राजनीतिक व सामाजिक सेवाओं में उल्लेखनीय कार्य कर रही है,

उन सभी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। समिति उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया ने महिलाओं को समारोह में अधिकाधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। इस दौरान समाजसेवी रामावतार सामरिया, मुन्नी देवी, कमली देवी, प्रेम देवी, प्रियंका देवी, सुनीता देवी, प्रिया सामरिया, सोहनलाल, पांचूराम, धर्मेंद्र कुमार, सीताराम, मनीष, योगेश, गुड्डू, सचिन, राहुल, श्रीपाल, कार्तिक आदि मौजूद रहे।

टांकरड़ा से खाटूधाम के लिए 30 वीं पदयात्रा रवाना

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। श्री श्याम मित्र मंडल टांकरड़ा के तत्वावधान में टांकरडा से श्री खाटूधाम के लिए 30 वीं पदयात्रा श्री रघुनाथ जी महाराज के मंदिर से निशान पूजन होकर भव्य लवाजमे के साथ रवाना हुई। पदयात्री श्याम बाबा की झांकी के साथ नाचते गाते हुए चल रहे थे। पदयात्रा में महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष छोटी देवी मीणा, कृष्ण कुमार मीणा, सुरेन्द्र जैन, विनोद मीणा, संजय मीणा, कमलेश कुमार मीणा, कैलाशचंद जैन, मुकेश सोढ़, कमल परसोया, मदन चौरिया लालचंद सोढ़, विरेन्द्र हरसोलिया, राकेश सोढ़, मोहन सोढ़, ओमप्रकाश सोढ़, प्रेमसिंह नाथावत, अजय प्रजापत सहित सैकड़ों भक्तगण रवाना हुए।

कौशल्या देवी ने किया समारोह का पोस्टर विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के जालसू ग्राम पंचायत में स्थित मुकन्दपुरा-द्वितीय में बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के उपाध्यक्ष कालूराम सामरिया की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में आगामी 8 मार्च महिला दिवस पर समिति द्वारा बलाई समाज सभा-भवन पर होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह को लेकर चर्चा-परिचर्चा की गई। समिति के उपकोषाध्यक्ष नानगराम लुनिवाल ने बताया कि समिति द्वारा 8 मार्च को महिला दिवस पर होने वाले महिलाओं का सम्मान समारोह का पोस्टर विमोचन कौशल्या देवी के नेतृत्व में किया गया। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं एवं समारोह में शामिल होने वाली सभी महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान कमली देवी, राधा देवी, प्रिया देवी, लक्ष्मी देवी, श्रवणी देवी, सीमा, सुनीता, बिदामी, तूफान मल बरवड़, रामसहाय लाखीवाल, हनुमान सहाय बरवड़, लक्ष्मण, कृष्ण, मायूस, आशीष, कार्तिक, साहिल, दिव्यांशी, सिद्धार्थ, लक्ष्य, रवि, महेंद्र, कानाराम, बाबूलाल, शंकरलाल, चौथमल आदि मौजूद रहे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

पृष्ठ एक का शेष....

सुप्रीम कोर्ट में हमदर्द की बड़ी जीत.....

इस फैसले के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हमदर्द (वक़्फ़) लैबोरेटरीज की अपील स्वीकार कर ली और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें रूह अफ़ज़ा को नॉन-फ्रूट और कृत्रिम तत्वों से तैयार ड्रिंक मानते हुए अधिक वैट लगाने की बात कही गई थी। असेसमेंट ईयर 2007-08 और 2008-09 के लिए, हमदर्द ने रूह अफ़ज़ा की बिक्री पर 4 प्रतिशत की कम दर से वैट का भुगतान किया, यह दावा करते हुए कि यह प्रोसेस्ड या प्रिजर्व्ड फ्रूट, फ्रूट स्क्वैश, फ्रूट ड्रिंक और फ्रूट जूस की श्रेणी में आता है। कर अधिकारियों ने इससे असहमति जताई और रूह अफ़ज़ा को नॉन-फ्रूट और कृत्रिम तत्वों से तैयार ड्रिंक माना जिस पर उच्च वैट लागू होता है। प्रथम अपीलीय प्राधिकरण और कमर्शियल टैक्स ट्रिब्यूनल के समक्ष हमदर्द की अपीलें खारिज हो गईं। ट्रिब्यूनल ने माना कि आम बोलचाल और व्यावसायिक भाषा में, हमदर्द के इस उत्पाद को फ्रूट ड्रिंक के बजाय शरबत के रूप में समझा जाता है। जुलाई 2018 में, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हमदर्द द्वारा दायर रिव्यू पिटीशन याचिकाओं को खारिज कर दिया और ट्रिब्यूनल के निर्णय को बरकरार रखा. हमदर्द ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी. सुप्रीम कोर्ट ने कर अधिकारियों और हाई कोर्ट के तर्क को खारिज कर दिया और हमदर्द के पक्ष में फैसला सुनाया।

पृष्ठ एक का शेष....

अब दो से ज्यादा बच्चे वाले भी बन सकेंगे पंच.....

कांग्रेस ने इस फैसले पर उठा सवाल

राजस्थान सरकार के इस फैसले ने जहां कई सवाल खड़े कर दिए हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी ने इस पर सख्त ऐतराज जताया है. कांग्रेस पार्टी ने साफ आरोप लगाया है कि आरएसएस के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए ही सरकार ने पाबंदी हटाई है। कांग्रेस पार्टी के विधायक अमीन कागजी ने कहा है कि बीजेपी को यह साफ करना चाहिए कि उसने अपनी ही पार्टी के भैरो सिंह शेखावत की सरकार के फैसले को क्यों बदला। उनके मुताबिक इससे लोगों का डर खत्म हो जाएगा और लोग ज्यादा बच्चे पैदा करने में कतई परहेज नहीं करेंगे।

कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने कहा कि विधानसभा में जब यह बिल पेश किया जाएगा तो पार्टी बड़े नेताओं से राय लेकर इस बारे में फैसला लेगी। बहरहाल यह कहा जा सकता है कि राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार का यह फैसला विवादों और सवालों दोनों के ही घेरे में है और आने वाले दिनों में इस पर सियासी संग्राम देखने को मिल सकता है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

6 वर्षीय ज़िया खान ने पहला रमजान रखा

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। रमजान मुबारक के महीने में सभी मुस्लिम रोजे रख रहे है ऐसे में छोटे-छोटे बच्चे भी रोजा रखने में पीछे नही रहते है रोज सेहरी के समय पर उठ रमजान रखने की ज़िद कर रहे हैं बार बार ज़िया खान को ज़िद करने दादा रोशन खान व दादी रमजो बानो ने रोजा रखने की इजाज़त देदी। इस पर ज़िया खान ने भी पहला रोजा रखा। याद दिला दे कि रमजान के महीने में मुस्लिम समाज पूरे महीने रोजा रखता है सुबह पांच बजे से शाम साढ़े छह बजे तक कुछ भी खाते पीते नहीं है। बच्ची के हौंसले की सभी तारीफ कर रहे हैं। समाज में इसे बच्चों में धैर्य और धार्मिक संस्कारों की शुरुआत के रूप में देखा जाता है हालांकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि किसी भी तरह का बच्चों पर कोई दबाव नहीं होता है फिर भी बच्चे घर में बड़ों को देखकर सभी धार्मिक क्रियाएं सीखते हैं। रोजा इफ्तार के समय शाम को बच्चों के पोषण का और शारीरिक विकास

का खास ध्यान रखा जाता है। बच्ची को पूछने पर बताया कि मुझे खुशी का अहसास हो रहा है ओर में अपने परिवार शहर व मुल्क की खुश हाली की दुआ करती हु। इस अवसर दादा रोशन खान, दादी रमजो बानो, पापा रुस्तम खान, मम्मी सूबाना, चाचा मुस्ताक खान, चाची शबनम बानों, ताऊ उस्मान खान ने खुशी ज़ाहिर करते हुए दावत दी।

पिंकसिटी की साख पर 'गंदगी' का दाग: जल महल के बाहर पसरी अव्यवस्था

-स्वच्छता के दावों के बीच 'हेरिटेज' क्षेत्र में फर्जीवाड़ा; यूपी से आए सैलानियों ने कहा- 'हमारे यहां से भी बदतर हैं हालात'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान की राजधानी की आन-बान और शान कहे जाने वाले विश्व प्रसिद्ध 'जल महल' के बाहर इन दिनों पर्यटन नहीं, बल्कि गंदगी और नगर निगम की लापरवाही चर्चा का विषय बनी हुई है। लाखों की संख्या में देश-विदेश से आने वाले सैलानियों को यहाँ कदम-कदम पर कचरे और बदबूदार शौचालयों का सामना करना पड़ रहा है। 'क्लीन जयपुर-सेव जयपुर' के नारों के बीच धरातल पर स्वच्छता अभियान दम तोड़ता नजर आ रहा है।

यूपी के पर्यटकों का छलका दर्द: "ऐसी उम्मीद लेकर नहीं आए थे

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले से जयपुर घूमने आए एक युवा सैलानी ने जल महल की अव्यवस्थाओं पर गहरा क्षोभ प्रकट किया। उन्होंने रॉयल पत्रिका से बात करते हुए कहा, "हम इस उम्मीद से आए थे कि गुलाबी नगरी बहुत साफ और सुंदर होगी, लेकिन यहाँ तो हर तरफ गंदगी है। हमारे यूपी में इतनी गंदगी नहीं है जितनी यहाँ जल महल के सामने देखने को मिल रही है।" पर्यटकों का कहना है कि दूर से जल महल खूबसूरत दिखता है, लेकिन पास आने पर नगर निगम की पोल खुल जाती है।

शौचालयों की स्थिति नारकीय: कोर्ट के आदेशों की भी उड़ रही धज्जियां

ग्राउंड जीरो पर की गई पड़ताल में सामने आया कि जल महल के सामने बने सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति बेहद खराब है। अंदरूनी गंदगी: वाशरूम के अंदर गंदगी का अंबार लगा है, जिससे पर्यटकों का वहां रुकना भी दूभर है। लापरवाही का नमूना: एक अन्य शौचालय को बाहर से कांटों और लकड़ियों से ढककर बंद कर दिया गया है। सवाल यह उठता है कि यदि उपयोग के लिए नहीं था, तो जनता के पैसे से इसे बनाया ही क्यों गया? अधिकारियों की चुप्पी: जानकारी के अनुसार, छह महीने पहले कोर्ट ने पाल पर बने इन टॉयलेट्स को बंद करने के निर्देश दिए थे, लेकिन आदेशों का उल्लंघन कर इन्हें फिर से खोल दिया गया है। जिम्मेदारी से भागते अधिकारी: 'मेरे अंडर नहीं आता' का रटा-रटाया जवाब जब हमारी टीम ने इस अव्यवस्था पर नगर निगम हेरिटेज और हवा महल ज़ोन के अधिकारियों से बात करने की कोशिश की, तो सभी ने जिम्मेदारी एक-दूसरे पर टाल दी। डीसी विजिलेंस और अन्य अधिकारियों का कहना था कि यह क्षेत्र उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। अधिकारियों की यह 'टालमटोल' नीति दर्शाती है कि जयपुर की स्वच्छता केवल कागजों और फोटो खिंचवाने तक सीमित रह गई है।

सफाई कर्मचारियों की कार्यशैली पर सवाल

स्थानीय लोगों और सैलानियों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी अपने काम को सही तरीके से अंजाम नहीं दे रहे हैं। नगर निगम के अधिकारी सफाई की फोटो लगाकर जयपुर को नंबर-1 बनाने का दावा तो करते हैं, लेकिन जल महल जैसी महत्वपूर्ण जगहों पर व्याप्त गंदगी इन दावों को पूरी तरह खारिज करती है। यदि विदेशी सैलानी यहाँ आकर ऐसी स्थिति देखते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जयपुर की छवि क्या बनेगी?

किशनपोल जोन में 'स्वच्छता' कागजों तक सीमित: वार्ड 55 और 56 में गंदगी का अंबार, बीमारियों का खतरा बढ़ा

-पार्षद और निगम की अनदेखी से राहगीर और स्थानीय निवासी त्रस्त, डीसी बोले-'सफाई की शिकायतें बेबुनियाद'

हरी चौधरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के दावों के बीच किशनपोल जोन के वार्ड नंबर 55 और 56 की स्थिति नारकीय बनी हुई है। रॉयल पत्रिका की ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया है कि इन क्षेत्रों में कचरा डिपो ओवरफ्लो हो रहे हैं, सड़कों पर गंदगी पसरी है और मच्छरों के प्रकोप से स्थानीय निवासियों में बीमारियों का डर बना हुआ है।

ग्राउंड जीरो: कचरे के ढेर और लटकते बिजली के तार

वार्ड 55 में मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि कचरा समय पर नहीं उठने के कारण पूरी सड़क गंदगी से अटी पड़ी है। स्थानीय निवासी अयान ने बताया, गंदगी के कारण हमारा स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और राहगीरों को निकलने में भारी दिक्कत हो रही है। वहीं,बच्चों और बुजुर्गों का कहना है कि सफाई कर्मचारी बहुत कम आते हैं और कचरा गाड़ियाँ भी अनियमित हैं। कचरे के अलावा क्षेत्र में बिजली के खुले और टूटे हुए तार भी बड़ी दुर्घटना को न्यौता दे रहे हैं।

जनता का आरोप: "पार्षद सुनते नहीं, निगम आता नहीं"

स्थानीय लोगों में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ भारी आक्रोश है। निवासियों का आरोप है कि पार्षद को कई बार शिकायत करने के बावजूद सिर्फ "गाड़ी आ जाएगी" का आश्वासन मिलता है, लेकिन हकीकत में कोई सुनवाई नहीं होती। एक राहगीर ने बदबू और गंदगी पर दुख जताते हुए कहा कि यह स्थिति शहर की छवि को खराब कर रही है। कुछ लोगों ने यह भी माना कि जनता में जागरूकता की कमी है, लेकिन मुख्य समस्या निगम की लापरवाही है।

निगम डीसी का चौंकाने वाला बयान: "शिकायतें सरासर गलत"

जब इन समस्याओं और वार्ड 55-56 की बदहाली को लेकर किशनपोल ज़ोन के उपायुक्त (डीसी) से सवाल किया गया, तो उन्होंने इन तथ्यों को सिरे से खारिज कर दिया। डीसी ने कहा, "यह कहना गलत है कि सफाई नहीं हो रही है। वहां लगातार सफाई जारी है"। जब उन्हें कचरे के ढेर के प्रमाण दिए गए, तो उन्होंने इसे एक 'सतत प्रक्रिया' बताते हुए कहा कि सफाई होती है और कचरा फिर आ जाता है। कचरा गाड़ियों की ट्रैकिंग के लिए लगे स्कैनर्स के काम न करने के सवाल पर उन्होंने जानकारी होने से इनकार कर दिया।

बड़ा सवाल: जनता झूठ बोल रही है या अधिकारी?

एक तरफ जहां धरातल पर गंदगी, मच्छर और बदबू से जनता बेहाल है और पार्षद से लेकर निगम तक गुहार लगा रही है, वहीं दूसरी तरफ ज़ोन के सबसे बड़े अधिकारी इन शिकायतों को 'बेबुनियाद' बता रहे हैं। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि अगर अधिकारी हकीकत देखने को तैयार नहीं हैं, तो क्या जयपुर कभी स्वच्छता में नंबर वन बन पाएगा?

"ना दूरी है, ना खाई है... मोदी जी हमारे भाई हैं" — हमीद मेवाती

अजमेर (रॉयल पत्रिका) । 28 फरवरी को देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अजमेर आगमन को लेकर शहर में जबरदस्त उत्साह का माहौल देखने को मिला। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती के नेतृत्व में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अजमेर शहर द्वारा दरगाह मुख्य द्वार से धान मंडी तक विशाल पैदल रैली निकाली गई। रैली के दौरान "ना दूरी है, ना खाई है... मोदी जी हमारे भाई हैं" के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं और समाज के लोगों ने भाग लिया। मार्ग में व्यापारियों व आमजन से जनसंपर्क कर उन्हें जनसभा में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया तथा निमंत्रण पत्र वितरित किए गए। प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह ऐतिहासिक जनसभा अजमेर सहित पूरे क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। रैली के दौरान दरगाह क्षेत्र से लेकर धान मंडी तक समर्थन और स्वागत का माहौल रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर दरगाह खादिम सैयद अफसान चिश्ती, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मुंसिफ अली खान, जंग बहादुर पठान, अजमेर शहर मोर्चा जिला अध्यक्ष सफीक पठान, अजमेर देहात पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा कुरैशी, शहर उपाध्यक्ष सैयद मेराज चिश्ती, शहर महामंत्री सैयद सादिक अली, साकिर खान, अलीम शेख, आमान खान, अजमत खान सहित अनेक प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमेरिका-इज़राईल का हमला ईरानी संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन- एम. के. फैज़ी

नई दिल्ली। एम. के. फैज़ी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, ने इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ अमेरिका और इज़राइल द्वारा किए गए संयुक्त सैन्य हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह कदम ईरान की संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन है और अंतर्राष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों के विपरीत है। इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करती है और वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। उन्होंने कहा कि युद्ध और आक्रामकता किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकते। ऐसे हमले कूटनीतिक प्रयासों को बाधित करते हैं, पश्चिम एशिया में तनाव को बढ़ाते हैं और निर्दोष नागरिकों के जीवन को जोखिम में डालते हैं। उन्होंने बाहरी दबाव और सैन्य हस्तक्षेप के विरुद्ध ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की। एम. के. फैज़ी ने फ़िलिस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय, स्वतंत्रता और कब्जे की समाप्ति के वैध अधिकारों के प्रति अपने समर्थन को दोहराते हुए कहा कि फ़िलिस्तीन में बल प्रयोग और सामूहिक दंड की निरंतर नीति ने अन्याय और पीड़ा को और गहरा किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप कर संघर्ष विराम सुनिश्चित करने, राष्ट्रों की संप्रभुता का सम्मान करने और ऐसा न्यायपूर्ण तथा स्थायी समाधान निकालने का आह्वान किया जो ईरान और फ़िलिस्तीन की जनता के लिए गरिमा, सुरक्षा और न्याय की गारंटी दे।

भिनाई निवासी 7 वर्षीय ज़ीशान अंसारी का बुलंद जज्बा

-कड़े इम्तिहान में लगातार दो रोज़े रख पेश की मिसाल

जयपुर । 7 साल के नन्हे ज़ीशान अंसारी ने अपनी उम्र को पीछे छोड़ते हुए लगातार दो रोज़े मुकम्मल (पूरे) किए। भिनाई निवासी इकबाल अंसारी के इस होनहार बेटे ने कड़ी धूप और प्यास के बावजूद अटूट सब्र का परिचय दिया, जिसे देख हर कोई दंग रह गया।

फूलों की माला और नज़राना

ज़ीशान के इस जज्बे को सलाम करते हुए रिश्तेदारों और मोहल्लेवासियों ने उसे फूलों की माला पहनाई। बड़ों ने खुश होकर उसे नकद इनाम (नज़राना) भी

भेंट किया, जिससे घर में ईद जैसा माहौल बन गया।

इबादत के इनाम से खरीदेगा साइकिल

ज़ीशान ने अपनी मासूमियत और स्वाभिमान से सबका दिल जीत लिया। उसने ऐलान किया कि "मैं इन मिले हुए पैसों को जोड़कर अपने लिए खुद की साइकिल लाऊँगा।" बच्चे की यह खुददारी देख पिता इकबाल अंसारी ने भी गहरा गर्व जताया है। मोहल्ले के बुजुर्गों ने ज़ीशान के सब्र की तारीफ करते हुए इसे नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बताया है। इफ्तार के वक्त ज़ीशान की कामयाबी और लंबी उम्र के लिए खास दुआएं मांगी गईं।

एक जिला एक उत्पाद नीति और एमएसएमई नीति की स्वीकृति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव

-अब जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महाप्रबंधक ही दे सकेंगे स्वीकृति
-आवेदन ऑनलाइन होने से हर दिन आ रहे 9 आवेदन

जयपुर । उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के योजनाओं और नीतियों की आवेदन और स्वीकृति प्रक्रिया में आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं, ताकि इनका लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सके। इसी क्रम में दो नीतियों की स्वीकृति प्रक्रिया का सरलीकरण और तीन नीतियों की आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश ओला ने बताया कि एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 और राजस्थान एमएसएमई नीति -2024 के तहत स्वीकृति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब इन दोनों योजनाओं के तहत आने वाले आवेदनों की जांच और स्वीकृति की कार्यवाही जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्रों के महाप्रबंधकों द्वारा ही की जा सकेगी। इस बदलाव से आवेदन के निस्तारण में तेजी आएगी, जिससे ज्यादा लोगों को लाभ मिल सकेगा। ओला ने बताया कि पूर्व में इन योजनाओं के तहत आने वाले आवेदनों की जांच और स्वीकृति के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति कार्य करती थी, लेकिन अब इसको विलोपित कर दिया गया है और उससे जुड़े सभी अधिकार महाप्रबंधकों को दे दिए गए हैं। इसलिए अब एक निश्चित समयांतराल पर होने वाली बैठक का इंतजार किए बिना ही सामान्य प्रक्रिया के तहत आवेदनों पर कार्यवाही की जा सकेगी।

ओला ने बताया कि राज्य बजट वर्ष 2026-27 के तहत सामान्य वाद विवाद के दौरान इस संबंध में घोषणा की गई थी। विभाग द्वारा इस घोषणा की अनुपालना में ये अधिसूचनाएं जारी की गई हैं।

आवेदन ऑनलाइन होने से हर दिन आ रहे 9 आवेदन

ओला ने बताया कि विभाग की तीन नीतियों के आवेदन ऑनलाइन करने से इनकी संख्या काफी बढ़ रही है। एक फरवरी से अब तक एक जिला एक उत्पाद नीति के लिए 72, एमएसएमई नीति के लिए 77 और निर्यात प्रोत्साहन नीति के लिए 96 सहित कुल 245 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन तीनों योजनाओं के लिए हर दिन औसतन 9 आवेदन आ रहे हैं। ऑफलाइन प्रक्रिया के दौरान इनकी संख्या 2 आवेदन प्रतिदिन से भी कम थी।

वर्जन

विभाग की योजनाओं और नीतियों में लगातार आवश्यक सुधार किया जा रहा है। प्रक्रिया को आसान बनाने और आम लोगों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है।

मीणा पेट्रोल पम्प के पीछे 1.5 बीघा सरकारी भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते द्वारा रविवार को जोन-10 में मीणा पेट्रोल पम्प के पीछे, दिल्ली बाई पास पर सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर बनाए जा रहे मकान के ढांचे को ध्वस्त कर 1.5 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। राहुल कोटोकी, महानिरीक्षक पुलिस ने बताया कि जोन-10 के क्षेत्राधिकार में स्थित मीणा पेट्रोल पम्प के पीछे, दिल्ली बाई पास जिला जयपुर के खसरा नं. 521/1 सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर निर्माणाधीन मकान का ढाँचा, शटरिंग इत्यादि किये गये अतिक्रमणों को जोन-10 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। शेष 1.5 बीघा सरकारी भूमि को कब्जा लिया गया। उक्त सरकारी भूमि पर तारबंदी करवायी जाकर जेडीए स्वामित्व के बोर्ड भी लगवाये गये।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के निर्देश पर घरेलू गैस काला बाजारी के विरुद्ध प्रदेश व्यापी स्ट्राइक

-12 दिनों में 3080 सिलेंडर जब्त, 634 प्रकरण दर्ज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। घरेलु एलपीजी के दुरूपयोग, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग, भण्डारण, व्यावसायिक उपयोग को रोकने एवं मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुँचाने के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्यवाही की है। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार दिनांक 16 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक प्रदेश भर में दो सप्ताह के विशेष सघन अभियान संचालित किया गया। विभाग द्वारा गठित विशेष प्रवर्तन दलों ने राज्य के सभी जिलों में गैस एजेंसियों, गोदामों, होटल-ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर "जीरो टॉलरेंस" की नीति के साथ दबिश दी। राज्य भर में कुल 2416 प्रतिष्ठानों और संदिग्ध स्थलों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान अवैध रिफिलिंग और दुरुपयोग के 634 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 3080 घरेलू एवं व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए गए। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर 17 मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करवाई गई है। शेष प्रकरणों में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' (EC Act) के तहत विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु 3,967 लाभार्थियों का मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया। गोदारा ने अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग और अवैध रिफिलिंग न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि यह आमजन की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्होंने अधिकारियों को औचक निरीक्षण और विशेष अभियान भविष्य में भी नियमित अंतराल पर जारी रखे जाने हेतु निर्देशित किया। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि घरेलू गैस का अवैध भंडारण या दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति या एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के प्रत्येक पात्र परिवार को बिना किसी बाधा के पारदर्शी तरीके से सब्सिडी और गैस आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

केंद्रीय एजेंसियां राजनीतिक डराने और धमकाने का औजार बनती जा रही हैं-शफ़ी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू न्यायालय द्वारा अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय एक राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमे पर करारा प्रहार है। उन्होंने कहा कि न्यायिक परीक्षण के दौरान सीबीआई का मामला पूरी तरह से कमजोर साबित हुआ और वे आरोप, जिन्हें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का प्रमाण बताकर प्रचारित किया गया था, अदालत में टिक नहीं सके। कथित कमीशनखोरी और नीति में हेरफेर के दावे कानूनी कसौटी पर खरे नहीं उतरे। उनके अनुसार इससे स्पष्ट हो गया कि मामले में ठोस और विश्वसनीय साक्ष्यों का अभाव था तथा इसे तथ्यात्मक जांच से अधिक राजनीतिक कथा के सहारे आगे बढ़ाया गया। मोहम्मद शफी ने कहा कि यह फैसला केवल दो नेताओं को मिली राहत भर नहीं है, बल्कि यह केंद्रीय जांच एजेंसियों के बढ़ते दुरुपयोग पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। जिन संस्थानों से स्वतंत्र और निष्पक्ष कार्यप्रणाली की अपेक्षा की जाती है, वे राजनीतिक डराने और धमकाने का औजार बनती जा रही हैं। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी, लंबी अवधि तक कारावास और सार्वजनिक बदनामी के बाद भी दोष सिद्ध न कर पाना एक चिंताजनक प्रवृत्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करती है और असहमति की आवाजों को दबाने का वातावरण बनाती है। न्यायालय का यह निर्णय न्यायपालिका की स्वतंत्रता में विश्वास को मजबूत करता है, किंतु साथ ही यह भी आवश्यक है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख को क्षति पहुंचाने वालों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

आम व खास सूचना

आम व खास को सूचित किया जाता है कि रॉयल पत्रिका के **प्रतिनिधि मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी वल्द गुलाब उस्ताद, निवासी 96, कागज़ी बस्ती, सांगानेर बाजार, सांगानेर, जयपुर** अब संस्थान (रॉयल पत्रिका) में नहीं हैं। कोई भी व्यक्ति इनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करे। यदि कोई भी व्यक्ति ऐसा करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

-संपादक

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

अपनी करतूतों को छिपाने के लिए ट्रम्प ने ईरान पर हमला किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का अपने देश अमेरिका में विरोध बढ़ता जा रहा है। अनगिनत आरोपों से घिरे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए अमेरिका अमेरिका में रोज-रोज नई परेशानियां बढ़ जाती हैं । एपिस्टीन फाईल से लीक हुई विडियो ने डोनाल्ड ट्रम्प को विकृत मानसिकता के व्यक्ति की छवि विश्व के सामने रख दी हैं। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने भी टैरिफ को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प को बड़ा झटका दिया है । ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रम्प अपनी कारगुजरियों से ही स्वयं के सामने मुसीबत मोल लेते जा रहे हैं। ट्रम्प का मानसिक संतुलन भी बिगड़ा हुआ है। ट्रम्प किसी भी स्वतंत्र देश के शासनाध्यक्ष की बेइज्जती कभी भी कर देते हैं। ट्रम्प अपने मनमाने भाषणों के लिए पहले से ही बदनाम हैं । ट्रंप अमेरिका की जनता के बीच अलोकप्रिय राष्ट्रपति बन गए हैं। ऐसी स्थिति में ट्रंप अपने आप को बचाने का काम कर रहे हैं। ट्रंप को अपने आप को बचाने का सबसे आसान तरीका ईरान पर आक्रमण करना लगा । इसलिए ट्रंप ने इजराईल के साथ मिलकर ईरान पर शनिवार सुबह एयर अटैक कर दिया । वैसे माना यह भी जा रहा है कि ईरान पर अटैक करने के लिए अमेरिका को इसराईल ने उकसाया है । इसराईल के पास डोनाल्ड ट्रंप के गुप्त रूप से काफी राज छुपे माने जा रहे हैं, क्योंकि इजराईल की गुप्तचर एजेंसी विश्व के नेताओं, अधिकारियों और व्यवसायियों के गुप्त राज एकत्रित करके रखती है और मौका पाकर ब्लैकमेल करने में पीछे नहीं रहती है । इसराईल यही अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ करता दिखाई दे रहा है। इसराईल एक छोटा-सा देश है । अमेरिका को इसराईल से कोई बड़ा आर्थिक फायदा नहीं दिखाई दे रहा है । वर्तमान में इसराईल के कारण ही अमेरिका को कई युद्ध लड़ने पड़ रहे हैं । अमेरिका का युद्ध खर्चा चरम सीमा पर पहुंच गया है । इसराईल के लिए अमेरिका ने सब कुछ दाव पर लगा दिया है । अमेरिका का ईरान पर आक्रमण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अपने देश में परेशानी कुछ समय के लिए कम कर सकता है, लेकिन अमेरिका की परेशानी जरूर बढ़ेगी । अमेरिका इजराईल और ईरान का युद्ध अभी शुरू हुआ है, कितना लंबा चलेगा कुछ कहा नहीं जा सकता है । इस युद्ध में सैन्य ताकत के हिसाब से अमेरिका ताकतवर दिखाई दे रहा है, फिर भी जीत की गारंटी नहीं माना जा सकता है । क्योंकि ईरान अपने आप में बड़ी ड्रोन और मिसाइल पावर है । ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोनों से युद्ध की स्थिति कभी भी बदल सकता है । इसके अलावा चीन और रूस भी ईरान का खुलकर साथ दे सकते हैं । ऐसी स्थिति में ईरान को हराना आसान नहीं दिखाई दे रहा है । यह युद्ध फैलकर विश्व युद्ध का भी रूप ले सकता है । लेकिन इस युद्ध में यह भी हो सकता है कि जैसे ही अमेरिका कमजोर पड़ता दिखाई दिया तो अमेरिका सेना ईरान पर परमाणु हमला कर सकती है । परमाणु हमले की स्थिति में ईरान में लाखों लोगों की मौत हो सकती है । यदि परमाणु युद्ध नहीं हुआ तो अमेरिका इजराईल को हार का मुंह देखना पड़ सकता है । युद्ध का भविष्य में क्या परिणाम होगा यह तो वक्त बताएगा । लेकिन यह तय है कि युद्ध कुछ समय के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करतूतों पर पर्दा डाला जा सकता है।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख योद्धा, विद्वान और पत्रकार

मौलाना अबुल कलाम आजाद भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख योद्धा, विद्वान, पत्रकार और प्रथम शिक्षा मंत्री थे। उनका जीवन हिंदू-मुस्लिम एकता, राष्ट्रवाद और शिक्षा के प्रचार का प्रतीक है। मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म 11 नवंबर 1888 को सऊदी अरब के मक्का में हुआ था। उनके पिता मौलाना खैरुद्दीन एक प्रसिद्ध विद्वान थे, जो अरब से भारत आकर कलकत्ता में बस गए। आजाद का पूरा नाम अबुल कलाम गुलाम मोहि-उद-दीन अहमद था, लेकिन उन्होंने 'आजाद' नाम अपनाया जो उनकी स्वतंत्र चिंतन की प्रतीक था। बचपन से ही उन्होंने पारंपरिक इस्लामी शिक्षा प्राप्त की। घर पर कुरान, फिक्ह, हदीस और उर्दू-अरबी भाषा सीखी। मात्र 12 वर्ष की आयु में वे बहस और व्याख्यान में निपुण हो गए। वे स्वतंत्रतापूर्व भारत के सबसे युवा विद्वानों में से एक थे। कलकत्ता में रहते हुए उन्होंने सर सैयद अहमद खान जैसे सुधारकों से प्रेरणा ली। उनका बचपन धार्मिक वातावरण में बीता, लेकिन जल्दी ही वे आधुनिक विचारों की ओर आकर्षित हुए।

पत्रकारिता का आरंभ

1912 में आजाद ने कलकत्ता से उर्दू साप्ताहिक 'अल-हिलाल' की स्थापना की। यह पत्र ब्रिटिश शासन की नीतियों पर तीखा प्रहार करता था। इसमें वे हिंदू-मुस्लिम एकता, स्वतंत्रता और युवा मुसलमानों को राष्ट्रवादी बनाने पर जोर देते थे। अंग्रेज सरकार ने इसके प्रभाव से भयभीत होकर 1914 में इसे जब्त कर लिया। इसके बाद उन्होंने 'अल-बलाग' शुरू किया, जो भी 1916 में बंद कर दिया गया। इन पत्रों ने लाखों मुसलमानों को जागृत किया। आजाद ने ईरान, इराक, मिस्र और सीरिया की यात्राएं कीं, जहां से वे क्रांतिकारी विचारों से परिचित हुए। पत्रकारिता के माध्यम से वे क्रांतिकारियों जैसे अरबिंदो घोष और श्यामसुंदर चक्रवर्ती से जुड़े। बंगाल, बिहार और बंबई में क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया। 1920 में रांची जेल में बंद हुए।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

1920 के दशक में आजाद ने गांधीजी के अहिंसक आंदोलन से जुड़ गए। खिलाफत

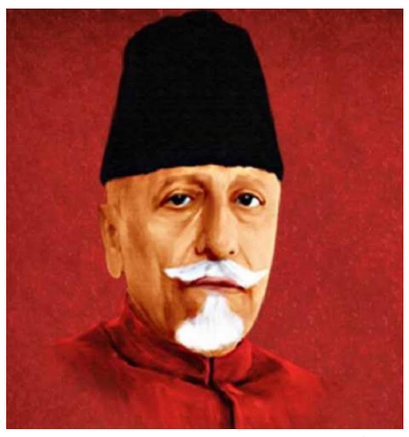

आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई, जहां ओटोमन सुल्तान की खलीफा पद की रक्षा का मुद्दा था। अखिल भारतीय खिलाफत समिति के अध्यक्ष बने। असहयोग आंदोलन में विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। 1923 में मात्र 35 वर्ष की आयु में वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सबसे युवा अध्यक्ष बने। 1920-1946 तक कई बार कांग्रेस अध्यक्ष रहे। नमक सत्याग्रह (1930) में गिरफ्तार हुए। वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे और हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक। 1930-34 तक जेल में रहे, जहां उन्होंने कुरान का उर्दू अनुवाद 'तरजुमान-उल-कुरान' लिखा। गांधीजी के साथ व्यक्तिगत निकटता बढ़ी। जामिया मिलिया इस्लामिया (1920) की स्थापना में हकीम अजमल खान और मुख्तार अहमद अंसारी के साथ योगदान दिया। यह संस्थान ब्रिटिश प्रभाव से मुक्त था। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में नेतृत्व किया। नेहरू और पटेल के साथ अंतरिम सरकार में शामिल हुए। स्वतंत्रता पूर्व काल में उनकी वाद-विवाद कला प्रसिद्ध थी।

स्वतंत्र भारत में भूमिका

1947 में आजाद स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री बने। 1958 में मृत्यु तक इस पद पर रहे। उनके कार्यकाल में IITs, IISc, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर और UGC की स्थापना हुई। भारतीय संस्कृति को विश्व पटल पर पहुंचाया। उन्होंने तकनीकी शिक्षा पर जोर दिया। पांच IITs (खड़गपुर, बॉम्बे, मद्रास, कानपुर, दिल्ली) स्थापित किए। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को मानकीकृत किया। वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया। विभाजन के समय लाखों मुसलमानों को भारत में रहने के लिए प्रेरित किया। नेहरू के मंत्रिमंडल में एकमात्र मुस्लिम मंत्री के रूप में एकता का प्रतीक बने।

साहित्यिक और वैचारिक योगदान

आजाद एक महान विद्वान थे। 'गुब्र-ए-हिंद' (भारत का दर्द), 'अल-हिलाल' के लेख और 'भारतभारती' जैसे ग्रंथ लिखे।

पुरस्कार और सम्मान

मरणोपरांत 1992 में भारत रत्न से सम्मानित। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवंबर को उनकी जयंती पर मनाया जाता है। दिल्ली में मौलाना आजाद विश्वविद्यालय और संस्थान उनके नाम पर हैं।

अंतिम वर्ष और विरासत

22 फरवरी 1958 को दिल्ली में उनका निधन हुआ। दिल्ली के जमिया नगर में कब्र है। आजाद ने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का सपना देखा। आज भी उनकी एकता की विचारधारा प्रासंगिक है।

भारत सरकार के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानित थे सिकंदर बख्त

(24 अगस्त 1918 – 23 फरवरी 2004)

सिकंदर बख्त भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने 2002 से अपनी मृत्यु तक केरल के 15वें राज्यपाल के रूप में कार्य किया। वे भाजपा के उपाध्यक्ष चुने गए, राज्यसभा में इसके नेता रहे और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में मंत्रिमंडल मंत्री भी रहे । 2000 में उन्हें भारत सरकार के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

सिकंदर बख्त का जन्म 24 अगस्त 1918 को दिल्ली के कुरेश नगर में हुआ था। उन्होंने दिल्ली के एंग्लो-अरेबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शिक्षा प्राप्त की और दिल्ली के एंग्लो-अरेबिक कॉलेज (जिसे अब जाकिर हुसैन कॉलेज के नाम से जाना जाता है) से विज्ञान स्नातक की उपाधि प्राप्त की । स्कूल और कॉलेज के दिनों में वे हॉकी के एक उत्साही खिलाड़ी थे और उन्होंने विभिन्न टूर्नामेंटों में दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने इंडिपेंडेंट्स हॉकी क्लब के लिए भी खेला और उसकी कप्तानी भी की। उन्होंने एक बार कहा था कि वे भाजपा के सदस्य हैं और हमेशा इस बात पर कायम रहे कि भारत धर्म-निरपेक्षता का देश है और उन्होंने भारत के मूल्यों का समर्थन किया।

1952 में बख्त कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में दिल्ली नगर निगम के लिए चुने गए । 1968 में वे दिल्ली विद्युत आपूर्ति उपक्रम के अध्यक्ष चुने गए। 1969 में कांग्रेस पार्टी में फूट पड़ गई और बख्त कांग्रेस (संगठन) के साथ रहे । इसके बाद वे कांग्रेस (अ) उम्मीदवार के रूप में दिल्ली महानगर परिषद के लिए चुने गए। 25 जून 1975 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल घोषित किया गया । बख्त को अन्य विपक्षी नेताओं के साथ उसी दिन जेल में डाल दिया गया। वे दिसंबर 1976 में रिहा होने तक रोहतक जेल में रहे। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मार्च 1977 में आम चुनाव का आदेश दिया। विपक्षी नेताओं की रिहाई होते ही उन्होंने सभी विपक्षी दलों का विलय कर जनता पार्टी का गठन किया।

मार्च 1977 में बख्त जनता पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नई दिल्ली के चांदनी चौक से लोकसभा (भारतीय संसद का निचला सदन) के लिए चुने गए। मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और उन्होंने बख्त को निर्माण, आवास, आपूर्ति और पुनर्वास मंत्री नियुक्त किया। उन्होंने जुलाई 1979 तक इस पद पर कार्य किया।

1980 में जनता पार्टी में फूट पड़ गई और

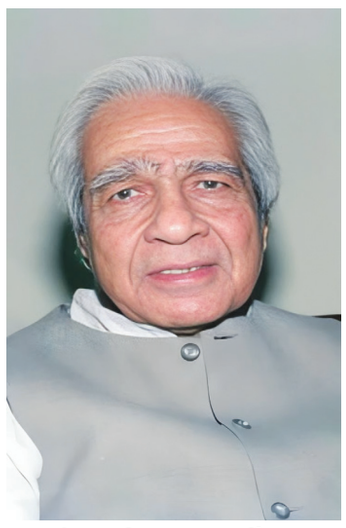

बख्त ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का विकल्प चुना। उन्हें भाजपा का महासचिव नियुक्त किया गया। 1984 में उन्हें भाजपा का उपाध्यक्ष बनाया गया।

1990 में बख्त मध्य प्रदेश से राज्यसभा (भारतीय संसद का ऊपरी सदन) के लिए चुने गए । 1992 में वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता बने । (विपक्ष के नेता का पद कैबिनेट मंत्री के पद के समकक्ष होता है।) 10 अप्रैल 1996 को वे मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए पुनः निर्वाचित हुए । मई 1996 में अटल बिहारी वाजपेयी की पहली सरकार के दौरान, बख्त ने विदेश मंत्री और शहरी मामलों के मंत्री के रूप में कार्य किया । वाजपेयी सरकार के पतन के बाद, बख्त एक बार फिर राज्यसभा में विपक्ष के नेता बन गए।

1998 में वाजपेयी को फिर से प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया और बख्त को उद्योग मंत्री बनाया गया, जिस पद पर वे 2002 तक रहे। इसके अलावा, उन्हें राज्यसभा में सदन का नेता भी नियुक्त किया गया। उद्योग मंत्री के रूप में अपना पूरा कार्यकाल पूरा करने के बाद, बख्त सक्रिय राजनीति से सेवानिवृत्त हो गए और 2002 में केरल के राज्यपाल नियुक्त हुए। वे केरल के राज्यपाल नियुक्त होने वाले पहले भाजपा नेता थे।

2000 में बख्त को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया । यह भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

9 अप्रैल 2002 को बख्त ने राज्यसभा में अपना कार्यकाल समाप्त किया। 9 दिन बाद, उन्होंने सुखदेव सिंह कांग के स्थान पर केरल के राज्यपाल के रूप में शपथ ली । 83 वर्ष और 237 दिन की आयु में, वे केरल राज्य के सबसे आयुदराज राज्यपाल थे। वे बेहद लोकप्रिय थे और अपनी मृत्यु तक इस पद पर बने रहे। 23 फरवरी 2004 को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बख्त का निधन हो गया । उनकी मृत्यु 19 फरवरी 2004 को हुई आंत की सर्जरी की जटिलताओं के कारण हुई।

वे केरल के पहले राज्यपाल थे, जिनकी पद पर रहते हुए मृत्यु हुई। दो दिन बाद कर्नाटक के राज्यपाल टी.एन. चतुर्वेदी ने उनका स्थान लिया। विशेष रूप से भाजपा सदस्यों के बीच यह चिंता थी कि बख्त की मृत्यु चिकित्सा लापरवाही के कारण हुई होगी । लेकिन कुछ भी साबित नहीं हुआ। सिकंदर बख्त की मृत्यु के समय मुख्यमंत्री ए.के. एंटनी को जनता की मांग पर डॉक्टरों की किसी चूक या किसी अन्य मकसद की जांच के लिए एक जांच का आदेश देना पड़ा। भारत के राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा, "उनके निधन से हमने एक प्रख्यात सार्वजनिक व्यक्तित्व और राजनेता को खो दिया है।" प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कहा, "श्री बख्त एक स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने साहस और दृढ़ विश्वास के साथ लोकतंत्र और राष्ट्रवादी आंदोलन के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कुछ समय के लिए मेरे मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में विशिष्ट सेवाएँ दीं।"

अबुल अब्बास सफ़्फ़ाह का आखिरी वक्त

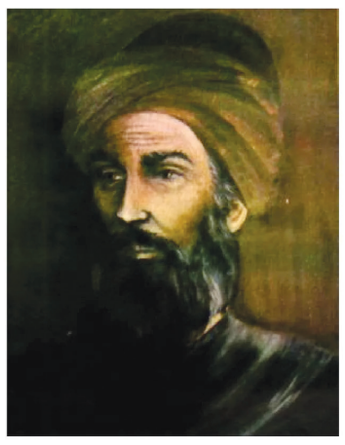

ABU AL- ABBAS AS SAFFAH

अबुल अब्बास सफ़्फ़ाह दुनिया का वो बा अज़मत हुकमरां हुआ है जिसने कि सन 129 हिजरी में खुलफाए बनी उम्मियाह की खिलाफत का खात्मा करके उस अब्बासी हुकूमत की बुनियाद रखी थी जिसका परचम दुनिया-ए-इस्लाम पर कई सदी तक लहराता रहा है । अबुल अब्बास सफ़्फ़ाह अपने दौर का निहायत ही सख्त हुकमरां हुआ है । खिलाफत पर कब्जा जमाने के बाद उसने चुन-चुन कर साबित खुलफ़ा की ना सिर्फ औलाद को कत्ल की कराया बल्कि उसने खुलाफाए बनी उम्मियाह की कब्रें तक खुदवा कर उनकी हड्डियों तक को आग लगवा दी थी । सफ़्फ़ाह ने अब्बासी खिलाफत की बुनियाद रखने के बाद तकरीबन चार साल हुकूमत की है । लेकिन उसका दौर हुकूमत खुरेजी से भरा हुआ है ।यह मालूम होता था कि सफ़्फ़ाह दुनिया के किसी पर्दे पर भी अपने किसी मुखालिफ को जिंदा नहीं छोड़ना चाहता था । अबुल अब्बास सफ़्फ़ाह के जुल्मों सितम का यह सिलसिला अभी जारी ही था कि 66 साल की उम्र में ऐसी शदीद चेचक में मुत्तिला हुआ कि उसका चेहरा मस्ख (बुरी सूरत) हो गया और उसके सारे जिस पर बड़े-बड़े आबले पड़ गए जिनमें की हर वक्त आग लगी रहती थी और यह इस आग की वजह से दीवानों की तरह अपने महल में चिल्लाया करता था । जब सफ़्फ़ाह का आखिरी वक्त आया तो उनकी बीनाई बिल्कुल जाती रही और उसमें चिल्ला-चिल्ला कर कहना शुरू कर दिया । "अरे कोई है जो यह सारी सल्तनत ले ले और मुझे बीनाई वापस दे दे, जब आंखें ही नहीं रही तो यह शाही महल और शाही ठाठ पबाट सब बेकार हो गए हैं, क्या शाही तबीब सब मर गए । इनके पास मेरी आंखों का कोई इलाज नहीं, फिर वह फिर यह बच्चों की तरह रोने लगा और खुद ही अपने जराइम और गुनाहों का एतराफ करते हुए कहा जो कुछ हो रहा है ठीक हो रहा है । मैंने जिस सल्तनत के लिए नोए इंसानी का खून बहाया है वही आज मेरे लिए मुसीबत बन गई है । सफ़्फ़ाह तकरीबन दो महीने तक चेचक की आग में जलता रहा और बड़ी बेबसी की हालत में उसकी मौत हुई । इस खलीफा के दर्दनाक अंजाम से अंदाजा लगाया जा सकता है कि हुकूमत और सल्तनत जिसकी खातिर इंसान सब कुछ कर गुजरता है किस तरह आखिरी वक्त में इंसान की ज़हनी तकलीफ का बड़ा सबब साबित होती है ।

-हबीबुल्लाह एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

रोज़ा क़िस्त दो

नमाज़ की मुद्दत एक वक़्त में कुछ मिनट से ज्यादा नहीं होती। ज़कात देने का वक़्त साल-भर में सिर्फ़ एक बार आता है। हज में अलबत्ता लम्बी मुद्दत लगती है, मगर इसका मौक़ा ज़िन्दगी-भर में एक बार आता है और वह भी सबके लिए नहीं। इन सबके बरख़िलाफ़ रोज़ा हर साल पूरे महीने तक दिन-रात मुहम्मद (सल्ल.) के ज़रिए से लाई गई शरीअत की पैरवी की मश्क़ कराता है। सुबह सहरी के लिए उठो, ठीक फुलाँ वक़्त पर खाना-पीना सब बन्द कर दो। दिन-भर फुलाँ-फुलाँ काम कर सकते हो और फुलाँ फुलाँ नहीं कर सकते। शाम को ठीक फुलाँ वक़्त पर इफ़्तार करो, फिर खाना खाकर आराम कर लो, फिर तरावीह के लिए दौड़ो।

इस तरह हर साल, पूरे महीने-भर, सुबह से शाम तक और शाम से सुबह तक मुसलमान को लगातार फ़ौजी सिपाहियों की तरह पूरे क़ायदे और क़ानून में बाँधकर रखा जाता है और फिर ग्यारह महीने के लिए उसे छोड़ दिया जाता है, ताकि जो तरबियत इस एक महीने में उसने हासिल की है उसके असरात ज़ाहिर हों और जो कमी पाई जाए वह फिर दूसरे साल की ट्रेनिंग में पूरी की जाए। तरबियत के लिए साज़गार इजतिमाई माहौल इस तरह की ट्रेनिंग के लिए एक-एक शख़्स को अलग-अलग लेकर तैयार करना किसी तरह मुनासिब नहीं होगा। फ़ौज में भी आप देखते हैं कि एक-एक शख़्स को अलग-अलग परेड नहीं कराई जाती, बल्कि पूरी फ़ौज-की-फ़ौज एक साथ परेड करती है। सबको एक वक़्त एक बिगुल की आवाज़ पर उठना और एक बिगुल की आवाज़ पर काम करना होता है, ताकि उनमें जमाअत बनकर एक साथ काम करने की आदत हो और इसके साथ ही वे सब एक-दूसरे की ट्रेनिंग में मददगार भी हों, यानी एक शख़्स की टेनिंग में जो कुछ कमी रह जाए उसकी कमी को दूसरा और दूसरे की कमी को तीसरा पूरा कर दे। इसी तरह इस्लाम में भी रमज़ान का महीना रोजे की इबादत के लिए ख़ास किया गया और सारे मुसलमानों को हुक्म दिया गया है कि एक वक़्त में सब-के-सब मिलकर रोज़े रखें। इस हुक्म ने इनफ़िरादी (व्यक्तिगत) इबादत को इजतिमाई (सामूहिक) इबादत बना दिया। जिस तरह एक की संख्या को लाख से गुणा करो तो लाख की ज़बरदस्त संख्या बन जाती है, उसी तरह एक आदमी के रोज़े रखने से जो अख़लाक़ी और रूहानी फ़ायदे हो सकते हैं, लाखों-करोड़ों आदमियों के मिलकर रोज़े रखने से वे लाखों-करोड़ों गुना बढ़ जाते हैं। रमज़ान का महीना पूरी फ़िज़ा को नेकी और परहेज़गारी की रूह से भर देता है। पूरी क़ौम में मानो तक़वा की खेती हरी-भरी हो जाती है। हर शख़्स न सिर्फ़ खुद गुनाहों से बचने की कोशिश करता है, बल्कि अगर उसमें कोई कमज़ोरी होती है तो उसके बहुत-से भाई जो उसी की तरह रोज़ेदार हैं, उसके मददगार बन जाते हैं।

हर आदमी को रोज़ा रखकर गुनाह करते हुए शर्म आती है और हर एक के दिल में खुद ही यह ख़ाहिश उभरती है कि कुछ भलाई के काम करे, किसी ग़रीब को खाना खिलाए, किसी नंगे को कपड़ा पहनाए, किसी दुखी की मदद करे, किसी जगह अगर कोई नेक काम हो रहा हो तो उसमें हिस्सा ले और अगर कहीं खुल्लम-खुल्ला बुराई हो रही है तो उसे रोके। नेकी और तक़वा का एक आम माहौल पैदा हो जाता है और भलाइयों के फूलने-फलने का मौसम आ जाता है, जिस तरह आप देखते हैं कि हर फ़सल अपना मौसम आने पर खूब फलती-फूलती है और हर तरफ़ खेतों पर छाई हुई नज़र आती है। इसी लिए नबी (सल्ल.) ने फ़रमाया -"आदमी का हर अमल खुदा के यहाँ कुछ-न-कुछ बढ़ता है। एक नेकी दस गुनी से सात सौ गुनी तक फलती-फूलती है, मगर अल्लाह तआला फ़रमाता है कि रोज़ा इससे अलग है। वह ख़ास मेरे लिए है और मैं उसका जितना चाहता हूँ, बदला देता हूँ।" (हदीस : बुख़ारी, मुस्लिम, इब्ने-माजा) इस हदीस से मालूम हुआ कि नेकी करनेवाले की नीयत और नेकी के नतीजों के लिहाज़ से सारे आमाल फलते-फूलते हैं और उनकी तरक़्क़ी के लिए एक हद तय है, लेकिन रोज़े की तरक़्क़ी के लिए कोई हद महीं। रमज़ान चूँकि नेकी और भलाई के फलने-फूलने का मौसम है, और इस मौसम में एक शख़्स नहीं, बल्कि लाखों-करोड़ों मुसलमान मिलकर इस नेकी के बाग़ को पानी देते हैं, इसलिए यह बेहद व बेहिसाब बढ़ सकता है। जितनी ज़्यादा नेक-नीयती के साथ इस महीने में अमल करेंगे, जिस क़दर ज़्यादा बरकतों से खुद फ़ायदा उठाएँगे और अपने दूसरे भाइयों को फ़ायदा पहुँचाएँगे और फिर जिस क़दर ज़्यादा इस महीने के असरात बाद के ग्यारह महीनों में बाक़ी रखेंगे, उतना ही यह फूले-फलेगा और इसके फूलने-फलने की कोई हद नहीं है। आप खुद अपने अमल से इसको महदूद कर लें तो यह आपका अपना कुसूर है।

इबादत के नतीजे अब कहाँ हैं? रोज़े के ये असरात और ये नतीजे सुनकर आपमें से हर आदमी के दिल में यह सवाल पैदा होगा कि ये असरात आज कहाँ हैं? हम रोज़े भी रखते हैं और नमाज़ें भी पढ़ते हैं, मगर ये नतीजे जो तुम बयान करते हो, ज़ाहिर नहीं होते। इसकी एक वजह तो मैं आपसे पहले बयान कर चुका हूँ और वह यह है कि इस्लाम को अलग-अलग हिस्सों में कर देने के बाद और बहुत-सी नई चीजें मिला देने के बाद आप उन नतीजों की उम्मीद नहीं कर सकते हैं जो पूरे निज़ाम की बँधी हुई सूरत ही में ज़ाहिर हो सकते हैं। इसके अलावा दूसरी वजह यह है कि इबादतों के बारे में आपके सोचने का ढंग बिलकुल बदल गया है। अब आप यह समझने लगे हैं कि सिर्फ़ सुबह से शाम तक कुछ न खाने-पीने का नाम इबादत है, और जब यह काम आपने कर लिया तो इबादत पूरी हो गई। इसी तरह दूसरी इबादतों की भी सिर्फ़ ज़ाहिरी शक्ल को आप इबादत समझते हैं और इबादत की असली रूह जो आपके हर अमल में होनी चाहिए, उससे आमतौर पर आपके 99 फ़ीसद बल्कि इससे भी ज़्यादा आदमी ग़ाफ़िल हैं। इसी वजह से ये इबादतें अपने पूरे फ़ायदे नहीं दिखातीं; क्योंकि इस्लाम में तो नीयत और फ़ह्म और समझ-बूझ ही पर सब कुछ मुन्हसिर है। अगर अल्लाह ने चाहा तो अगले खुतबे में इस मज़मून की पूरी तशरीह करूँगा। > रोज़े का असल मक़सद हर काम का एक मक़सद मुसलमान भाइयो ! हर काम जो इनसान करता है, उसमें दो चीजें ज़रूर हुआ करती हैं। एक चीज़ तो वह मक़सद है जिसके लिए काम किया जाता है और दूसरी चीज़ उस काम की वह ख़ास शक्ल है जो इस मक़सद को हासिल करने के लिए इख़्तियार की जाती है।

मिसाल के तौर पर खाना खाने के काम को लीजिए। खाने से आपका मक़सद ज़िन्दा रहना और जिस्म की ताक़त को बहाल रखना है। इस मक़सद को हासिल करने की सूरत यह है कि आप निवाले बनाते हैं, मुँह में ले जाते हैं, दाँतों से चबाते हैं और हलक़ से नीचे उतारते हैं। चूँकि इस मक़सद को हासिल करने के लिए सबसे ज़्यादा फ़ायदेमन्द और सबसे बेहतरीन तरीक़ा यही हो सकता था, इसलिए आपने इसी को इख़्तियार किया। लेकिन आपमें से हर शख़्स जानता है कि अस्ल चीज़ वह मक़सद है जिसके लिए खाना खाया जाता है, न कि खाने के काम की यह शक्ल । अगर कोई शख़्स लकड़ी का बुरादा या राख़ या मिट्टी लेकर उसके निवाले बनाए और मुँह में ले जाए और दाँतों से चबाकर हलक़ से नीचे उतार ले तो आप उसे क्या कहेंगे? यही ना कि उसका दिमाग़ ख़राब है। क्यों? इसलिए कि वह मूर्ख खाने के अस्ल मक़सद को नहीं समझता और इस ग़लतफ़हमी में मुब्तला है कि बस खाने के काम की इन चार ज़ाहिरी बातों को अदा कर देने ही का नाम खाना खाना है। इसी तरह आप उस शख़्स को भी पागल ठहराएँगे जो रोटी खाने के बाद फ़ौरन ही हलक़ में उँगली डालकर उल्टी कर देता हो और फिर शिकायत करता हो कि रोटी खाने के जो फ़ायदे बयान किए जाते हैं, वे मुझे हासिल ही नहीं होते, बल्कि मैं तो उल्टा दिन-ब-दिन दुबला होता जा रहा हूँ और मर जाने की नौबत आ गई। यह बेवकूफ़ अपनी इस कमज़ोरी का इलज़ाम रोटी और खाने पर रखता है, हालाँकि बेवकूफ़ी उसकी अपनी है। उसने अपनी नादानी से यह समझ लिया कि खाने के काम में ये जो कुछ ज़ाहिरी बातें हैं, बस इन ही को अदा कर देने से ज़िन्दगी की ताक़त हासिल हो जाती है। इसलिए उसने सोचा कि अब रोटी का बोझ अपने मेदे में क्यों रखे ? क्यों न इसे निकाल फेंका जाए ताकि पेट हल्का हो जाए, खाने के काम की ज़ाहिरी सूरत तो मैं अदा कर ही चुका हूँ। यह बेवकूफ़ी का ख़याल जो उसने क़ायम किया और फिर उसकी पैरवी की, इसकी सज़ा भी तो आख़िर उसी को भुगतनी चाहिए। उसको जानना चाहिए था कि वह जब तक रोटी पेट में जाकर हज़्म न हो और खून बनकर सारे बदन में फैल न जाए, उस वक़्त तक ज़िन्दगी की ताक़त हासिल नहीं हो सकती। खाने के ज़ाहिरी काम भी अगरचे ज़रूरी हैं, क्योंकि इनके बिना रोटी मेदे तक नहीं पहुँच सकती, मगर सिर्फ़ इन ज़ाहिरी कामों के अदा कर देने से काम नहीं चल सकता। इन कामों में कोई जादू भरा हुआ नहीं है कि उन्हें अदा करने से बस जादुई तरीक़े पर आदमी की रगों में खून दौड़ने लगता हो। खून पैदा करने के लिए अल्लाह ने जो क़ानून बनाया है उसी के मुताबिक़ वह पैदा होगा। उसको तोड़ोगे तो अपने-आपको खुद ही मौत के घाट उतारोगे। ज़ाहिर को हक़ीक़त समझने के नतीजे यह मिसाल जो इस तफ़सील के साथ मैंने आपके सामने बयान की है, इसपर आप ग़ौर करें तो आपकी समझ में आ सकता है कि आज आपकी इबादतें क्यों बेअसर हो गईं? जैसा कि मैं पहले भी आपसे बार-बार बयान कर चुका हूँ, सबसे बड़ी ग़लती यही है कि आपने नमाज़-रोज़ों के अरकान की ज़ाहिरी सूरतों ही को अस्ल इबादत समझ रखा है और इस गुमान में फँस गए हैं कि जिसने ये अरकान पूरी तरह अदा कर दिए, उसने बस अल्लाह की इबादत कर दी। आपकी मिसाल उसी शख़्स की-सी है जो खाने के चारों अरकान यानी निवाले बनाना, मुँह में रखना, चबाना, हलक़ से नीचे उतार देना, बस इन ही चारों के मजमूए को खाना समझता है और यह ख़याल करता है कि जिसने ये चारों अरकान अदा कर दिए, उसने खाना खा लिया और खाने के फ़ायदे उसको हासिल होने चाहिएँ, भले ही उसने उन अरकान के साथ मिट्टी और पत्थर अपने पेट में उतारे हों, या रोटी खाकर फ़ौरन उल्टी कर दी हो। अगर हक़ीक़त में आप लोग इस बेवकूफ़ी में फँस नहीं गए हैं तो मुझे बताइए कि यह क्या माजरा है कि जो रोज़ेदार सुबह से शाम तक अल्लाह की इबादत में मशगूल रहता है, वह ठीक इस इबादत की हालत में झूठ कैसे बोलता है? ग़ीबत किस तरह करता है? बात-बात पर लड़ता क्यों है? उसकी ज़बान से गालियाँ क्यों निकलती हैं? वह लोगों का हक़ कैसे मार खाता है? हराम खाने और हराम खिलाने का काम किस तरह कर लेता है? और फिर यह सब काम करके भी अपने नज़दीक यह कैसे समझता है कि मैंने खुदा की इबादत की है? क्या उसकी मिसाल उस आदमी की-सी नहीं है जो राख और मिट्टी खाता है और सिर्फ़ खाने के चार अरकान अदा कर देने को समझता है कि खाना इसी को कहते हैं? रमज़ान के बाद फिर आज़ादी फिर मुझे बताइए कि यह क्या माजरा है कि रमज़ान-भर में क़रीबन 360 घण्टे खुदा की इबादत करने के बाद जब आप फ़ारिग़ होते हैं तो इस पूरी इबादत के तमाम असरात शव्वाल की पहली तारीख़ ही को काफ़ूर हो जाते हैं? गैर-मुस्लिम अपने त्योहारों में जो कुछ करते हैं, वही सब आप ईद के ज़माने में करते है।

जारी.....

इंडियन आर्मी में अग्निवीर भर्ती 2026 के लिए आवेदन शुरू

इंडियन आर्मी की ओर से अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए आज से आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत की गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। अग्निपथ स्कीम के तहत चयनित अग्निवीरों की सेवा अवधि चार वर्ष होगी। चार साल बाद 75% अग्निवीरों को सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। जबकि 25% को स्थायी नियुक्ति दी जाएगी। अग्निवीर परीक्षा 1 से 15 जून 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
13 फरवरी से 01 अप्रैल 2026 तक

एज लिमिट :
अग्निवीर जीडी/टेक्निकल/असिस्टेंट/ट्रेड्समैन : 17.5 से 22 साल
सोल्जर टेक्निकल: 17.5 से 23 वर्ष
सिपाही फार्मा: 19-25 वर्ष
JCO धार्मिक टीचर: 25-24 साल।
आयुसीमा की गणना 1 जुलाई 2027 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल टेस्ट
मेडिकल एग्जाम
मेरिट लिस्ट जारी

सैलरी :
पहले वर्ष 30 हजार रुपए सैलरी मिलेगी, जो चौथे साल तक बढ़कर 40 हजार रुपए हो जाएगी। वेतन का 30% हिस्सा सेवा निधि में जमा होगा, जिसमें सरकार भी समान राशि जोड़ेगी। चार साल बाद करीब 11.71 लाख रुपये का सेवा निधि पैकेज (ब्याज सहित) मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाएं।
होम पेज पर दिए गए JCO/OR/Agniveer / Apply/ Login पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद यूजर आईडी और पासवर्ड की मदद से लॉग इन करें।
अपना फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन में 245 पदों पर भर्ती

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में ट्रेड अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए आज से आवेदन शुरू हो रहे हैं। उम्मीदवार वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाकर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। अप्रेंटिस की भर्ती एक साल के लिए की जाएगी। इस भर्ती की लोकेशन रावतभाटा, राजस्थान है।

आवेदन शुरू :
26 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त संस्थान से फुल टाइम और रेगुलर आईटीआई की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 24 साल

स्टाइपेंड :
9,600 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट npcil-careers.co.in पर जाएं।
करियर बटन पर क्लिक करने के बाद Registration Form लिंक पर क्लिक करें।
GATE 2023/2024/2025 डिटेल्स के साथ रजिस्ट्रेशन करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करके डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 5349 पदों पर निकली भर्ती

रेलवे रिक्रूटमेंट सेल (RRC) ने पश्चिम रेलवे भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 फरवरी से शुरू होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट https://www.rrc-wr.com पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। यह ट्रेनिंग एक साल के लिए दी जाएगी।

आवेदन शुरू :
21 फरवरी से 23 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं पास
NCVT के मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूडी : 10 साल की छूट

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपएएससी, एसटी,पीडब्ल्यूबीडी,महिला : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर शॉर्टलिस्टिंग
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

स्टाइपेंड :
रेलवे बोर्ड द्वारा जारी नियमों के अनुसार

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrc-wr.com पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रख लें।

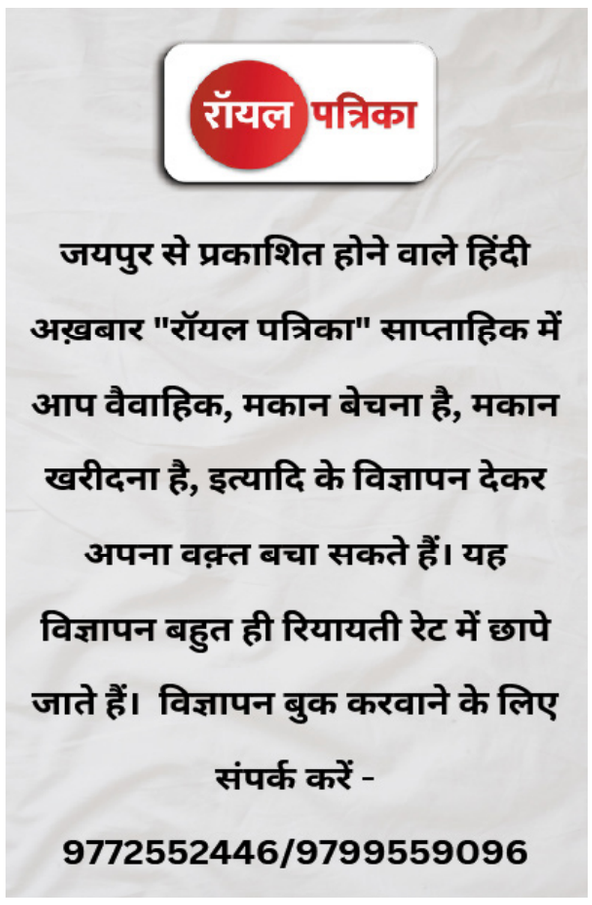

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया में 650 पदों पर भर्ती

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) में असिस्टेंट के 650 पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए प्रीलिम्स परीक्षा 11 अप्रैल 2026 को होगी। वहीं मेन्स परीक्षा 30 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाएगी। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट rbi.org.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
16 फरवरी से 08 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
किसी भी विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री।
एससी/एसटी/ दिव्यांगों के लिए न्यूनतम 50% अंकों के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री। साथ ही कंप्यूटर पर वर्ड प्रोसेसिंग की जानकारी होनी चाहिए।
पूर्व सैनिकि भी आवेदन कर सकते हैं। वे किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट हों या सशस्त्र बलों की मैट्रिक परीक्षा पास कर चुके हों। साथ ही 15 साल की रक्षा सेवा पूरी की हो।
राज्यों के लिए अप्लाई करने वालों को वहां की लोकल भाषा आनी चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 28 साल
एससी/एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
जनरल/ईडब्ल्यूएस विकलांग : 10 साल की छूट
ओबीसी विकलांग : 13 साल की छूट
एससी-एसटी विकलांग : 15 साल की छूट

फीस :
जनरल/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस: 450
एससी/ एसटी/ दिव्यांग: 50
स्टाफ: नि:शुल्क

सैलरी :
29,000 - 74,590 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिमिनरी एग्जाम
मेन्स एग्जाम
लैंग्वेज टेस्ट (LPT)

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rbi.org.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
RBI Assistant Recruitment 2023 पर क्लिक करें।
अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें। सभी डिटेल्स पढ़ें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सबमिट करें।
इसका एक प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

MPPSC ने 949 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन किए शुरू

मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) ने असिस्टेंट प्रोफेसर के 949 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 27 फरवरी, 2026 से शुरू किए जाएंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट mponline.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरू :
27 फरवरी से 26 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से समकक्ष ग्रेड के साथ मास्टर डिग्री होनी चाहिए।
आवेदकों ने UGC, CSIR, या ICAR द्वारा आयोजित NET, या राज्य द्वारा आयोजित SET/SLET परीक्षा पास की हो।
यूजीसी नियमों के अनुसार, पीएचडी होल्डर्स को NET/SET/SLET से छूट दी गई है।

आयु सीमा :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 40 साल
मध्यप्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को उम्र में छूट दी जाएगी।

सैलरी :
57,700 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

फीस :
मप्र के अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) : 250 रुपए
जनरल, राज्य के बाहर के उम्मीदवार : 500 रुपए

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
मार्कशीट
एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट
कास्ट/EWS/PwD सर्टिफिकेट
पासपोर्ट साइज फोटो
NOC (अगर जॉब में हैं)
ओरिजिनल और सेल्फ-अटेस्टेड कॉपी

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mppsc.mp.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Apply Online सेक्शन पर क्लिक करें।
भर्ती से संबंधित आवेदन लिंक पर क्लिक करें।
अपनी कुछ डिटेल्स भरकर रजिस्ट्रेशन आईडी क्रिएट करें।
रजिस्ट्रेशन करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

यूपीएससी ने CAPF में 349 पदों पर निकाली भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (CAPF) में असिस्टेंट कमांडेंट के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 19 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी।

आवेदन शुरू :
20 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 20 साल
अधिकतम : 25 साल
उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 अगस्त, 2026 के आधार पर की जाएगी।
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
वैलिड ईमेल आईडी
मोबाइल नंबर
स्कैन की गई फोटो और सिग्नेचर
फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर आईडी/पैन कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस)

फीस :
जनरल, ओबीसी : 200 रुपए
एससी, एसटी, महिला : नि:शुल्क

एग्जाम में लागू होंगे ये नियम :
वन टाइम रजिस्ट्रेशन की जगह यूआरएन ने ले ली है जो हमेशा वैलिड रहेगा।
फाइनल सब्मिशन के बाद आवेदन में सुधार करने का कोई मौका नहीं मिलेगा।
अब पहले से खींची हुई फोटो अपलोड करने के बजाय आवेदन के समय लाइव फोटो कैप्चर करना जरूरी है।
उम्मीदवारों को सफेद कागज पर काले पेन से तीन बार सिग्नेचर करके अपलोड करने होंगे।
एग्जाम सेंटरों की संख्या 47 से बढ़ाकर 57 कर दी गई है। इसके अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर (नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद) और भुवनेश्वर, इंदौर जैसे 10 नए सेंटर जोड़े गए हैं।
इस बार असिस्टेंट कमांडेंट परीक्षा केंद्र पर सभी उम्मीदवारों का अनिवार्य फेस ऑथेंटिकेशन किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
यूपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट upsconline.nic.in पर जाएं।
होमेपज पर ऑनलाइन अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद UPSC CAPF AC Recruitment 2026 लिंक पर क्लिक करें।
मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

131. 'खुम्स' कर किस धर्म से संबंधित था?
(A) बौद्ध धर्म (B) जैन धर्म
(C) इस्लाम (D) सिख धर्म
उत्तर: (C)
व्याख्या: 'खुम्स' इस्लाम में युद्ध की लूट का पाँचवां भाग सरकार को देने का प्रावधान है।

132. 'टोकन मुद्रा' जारी करने वाला सुल्तान था —
(A) इल्तुतमिश (B) बलबन
(C) मोहम्मद बिन तुगलक
(D) फीरोजशाह तुगलक
उत्तर: (C)
व्याख्या: मोहम्मद बिन तुगलक ने तांबे के सिक्के को 'टोकन मुद्रा' के रूप में चलाने का प्रयास किया था।

133. फीरोजशाह तुगलक ने किस धार्मिक ग्रंथ का अनुवाद करवाया था?
(A) रामायण (B) महाभारत
(C) वेद (D) उपनिषद
उत्तर: (B)
व्याख्या: फीरोजशाह तुगलक ने महाभारत का फ़ारसी अनुवाद "राजा नागरी" के नाम से करवाया।

134. लोदी वंश का अंतिम शासक कौन था?
(A) इब्राहिम लोदी
(B) सिकंदर लोदी
(C) बहलोल लोदी
(D) नासिर लोदी
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1526 ई. में पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित किया, जिससे लोदी वंश का अंत हुआ।

135. पानीपत का प्रथम युद्ध कब लड़ा गया?
(A) 1526 (B) 1556
(C) 1761 (D) 1707
उत्तर: (A)
व्याख्या: 1526 ई. में बाबर और इब्राहिम लोदी के बीच पानीपत का प्रथम युद्ध लड़ा गया था।

136. बाबर की आत्मकथा का नाम क्या है?
(A) अकबरनामा (B) बाबरनामा
(C) तुजुके बाबरी (D) हमायूननामा
उत्तर: (B)
व्याख्या: बाबर की आत्मकथा 'बाबरनामा' तुर्की भाषा में लिखी गई थी।

137. अकबर का शासनकाल कब था?
(A) 1526–1530
(B) 1540–1545
(C) 1556–1605
(D) 1605–1627
उत्तर: (C)
व्याख्या: अकबर ने 1556 से 1605 तक शासन किया, यह मुगल साम्राज्य का स्वर्णयुग था।

138. 'दिन-ए-इलाही' की स्थापना किसने की थी?
(A) बाबर (B) अकबर
(C) जहाँगीर (D) शाहजहाँ
उत्तर: (B)
व्याख्या: अकबर ने धार्मिक सहिष्णुता के सिद्धांत पर 'दिन-ए-इलाही' नामक धर्म की स्थापना की।

139. फतेहपुर सीकरी किस शासक द्वारा बसाया गया था?
(A) बाबर (B) अकबर
(C) जहाँगीर (D) शाहजहाँ
उत्तर: (B)
व्याख्या: अकबर ने 1571 में फतेहपुर सीकरी को अपनी राजधानी बनाया था।

140. अकबर के नवरत्नों में कौन शामिल नहीं था?
(A) बीरबल (B) तानसेन
(C) राजा टोडरमल
(D) मिर्जा राजा जयसिंह
उत्तर: (D)
व्याख्या: मिर्जा राजा जयसिंह शाहजहाँ के समय के सेनापति थे, न कि अकबर के नवरत्नों में।

141. जहाँगीर की आत्मकथा का नाम क्या है?
(A) तुजुके जहाँगीरी
(B) हुमायूननामा
(C) अकबरनामा
(D) शाहनामा
उत्तर: (A)
व्याख्या: जहाँगीर की आत्मकथा 'तुजुके जहाँगीरी' या 'जहाँगीरनामा' कहलाती है।

142. नूरजहाँ का वास्तविक नाम क्या था?
(A) महा बेगम (B) मेहर-उन्निसा
(C) जहाँआरा (D) रोशनआरा
उत्तर: (B)
व्याख्या: नूरजहाँ का वास्तविक नाम 'मेहर-उन्निसा' था; वह जहाँगीर की पत्नी थीं।

143. ताजमहल का निर्माण किसने करवाया?
(A) अकबर (B) जहाँगीर
(C) शाहजहाँ (D) औरंगजेब
उत्तर: (C)
व्याख्या: शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज़ महल की स्मृति में ताजमहल का निर्माण करवाया।

144. मुगल साम्राज्य का पतन किस शासक के काल में आरंभ हुआ?
(A) शाहजहाँ (B) जहाँगीर
(C) औरंगजेब (D) अकबर
उत्तर: (C)
व्याख्या: औरंगजेब के कठोर धार्मिक नीतियों के कारण मुगल साम्राज्य का पतन आरंभ हुआ।

145. मराठा साम्राज्य की स्थापना किसने की थी?
(A) बालाजी विश्वनाथ (B) शिवाजी
(C) साम्भाजी (D) पेशवा बाजीराव
उत्तर: (B)
व्याख्या: छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1674 में मराठा साम्राज्य की स्थापना की।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल

AI में बनाएं सुनहरा करियर: जानें कौन-से कोर्स करें और कितनी मिलती है सैलरी

आज के समय में टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है। मोबाइल फोन से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग, बैंकिंग, हेल्थकेयर और सोशल मीडिया तक हर जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग हो रहा है। यही वजह है कि छात्रों और प्रोफेशनल्स के मन में यह सवाल तेजी से बढ़ रहा है कि क्या AI में करियर बनाना सही रहेगा, कौन-सा कोर्स करना चाहिए और इसमें सैलरी कितनी मिलती है। अगर आप भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, तो यह फील्ड आपके लिए शानदार अवसर लेकर आई है।

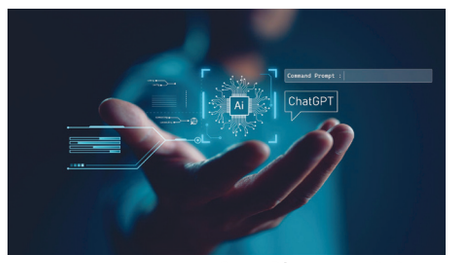

AI में करियर के लिए कौन-से कोर्स करें?
आज AI हेल्थ, बैंकिंग, एजुकेशन, ई-कॉमर्स और मोबाइल ऐप्स जैसे लगभग हर क्षेत्र में उपयोग हो रहा है। अगर आप AI में करियर बनाना चाहते हैं तो सही कोर्स और मजबूत स्किल्स का चुनाव सबसे जरूरी है। 12वीं के बाद B.Tech in Artificial Intelligence / Computer Science (AI Specialization) सबसे लोकप्रिय और मजबूत विकल्प माना जाता है। देश के बड़े संस्थानों में AI और डेटा साइंस से जुड़े कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। यह चार साल का कोर्स होता है और साइंस (PCM) के छात्रों के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। अगर आप रिसर्च या डेटा एनालिटिक्स में रुचि रखते हैं तो B.Sc. in AI / Data Science अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके अलावा BCA (AI या Data Science स्पेशलाइजेशन) उन छात्रों के लिए बेहतर है जिनकी रुचि सॉफ्टवेयर और कोडिंग में है।

ग्रेजुएशन के बाद करें ये कोर्स:
M.Tech in AI / Machine Learning
M.Tech in AI या मशीन लर्निंग उन छात्रों के लिए बेहतरीन विकल्प है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में गहरी तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करना चाहते हैं। यह आमतौर पर दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स होता है। इसमें प्रवेश के लिए आमतौर पर GATE या संबंधित विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इस डिग्री के बाद छात्र AI इंजीनियर, मशीन लर्निंग स्पेशलिस्ट या रिसर्चर जैसी उच्च स्तरीय भूमिकाओं में काम कर सकते हैं, जहां शुरुआती स्तर पर लगभग 10 से 25 लाख रुपये सालाना तक की सैलरी मिल सकती है।

MCA in AI
MCA in AI उन छात्रों के लिए उपयुक्त कोर्स है जो सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के साथ AI आधारित एप्लिकेशन बनाना चाहते हैं। इस कोर्स में प्रोग्रामिंग, डेटा स्ट्रक्चर, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और AI टूल्स की पढ़ाई कराई जाती है। इससे छात्र स्मार्ट ऐप्स, ऑटोमेशन सिस्टम और डेटा आधारित सॉफ्टवेयर विकसित करना सीखते हैं। यह कोर्स खासतौर पर उन ग्रेजुएट छात्रों के लिए उपयोगी है जिनकी रुचि कोडिंग और नई टेक्नोलॉजी में है और जो AI डेवलपर या मशीन लर्निंग इंजीनियर बनना चाहते हैं।

MBA / PG Diploma in AI & Business Analytics
MBA या PG Diploma in AI & Business Analytics उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी दोनों क्षेत्रों में करियर बनाना चाहते हैं। इस कोर्स के बाद बिजनेस एनालिस्ट, AI प्रोडक्ट मैनेजर या डेटा कंसल्टेंट जैसे पदों पर काम किया जा सकता है। इन पदों पर मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी दोनों की समझ जरूरी होती है।

ऑनलाइन कोर्स भी हैं अच्छा विकल्प
अगर आप कॉलेज में एडमिशन नहीं लेना चाहते तो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी AI सीखा जा सकता है। कई प्लेटफॉर्म बेसिक से एडवांस स्तर तक के कोर्स उपलब्ध कराते हैं। इनमें कुछ कोर्स मुफ्त होते हैं जबकि कुछ के लिए फीस देनी होती है।

AI में जॉब और सैलरी
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कई तरह के जॉब रोल उपलब्ध हैं और हर पद के अनुसार सैलरी अलग-अलग होती है। AI इंजीनियर को आमतौर पर 8 से 25 लाख रुपये सालाना, मशीन लर्निंग इंजीनियर को 7 से 22 लाख रुपये, डेटा साइंटिस्ट को 6 से 20 लाख रुपये, NLP इंजीनियर को 8 से 30 लाख रुपये, कंप्यूटर विजन इंजीनियर को 10 से 35 लाख रुपये और AI रिसर्च साइंटिस्ट को 15 से 45 लाख रुपये सालाना तक वेतन मिल सकता है। AI क्षेत्र में सैलरी कंपनी, शहर, अनुभव और तकनीकी कौशल पर निर्भर करती है। सही स्किल्स और मेहनत के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज के समय में सबसे तेजी से बढ़ते करियर विकल्पों में से एक बन चुका है।

एक दिन में कितने किलोमीटर चलना चाहिए, जानिए रोज वॉक करने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं?

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सेहत सबसे बड़ा मसला बन चुकी है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, मोबाइल और लैपटॉप की आदत, बाहर का खाना और कम शारीरिक मेहनत – ये सब मिलकर हमारे जिस्म पर बुरा असर डाल रहे हैं। ऐसे में अगर कोई आसान, सस्ता और असरदार तरीका है खुद को फिट रखने का, तो वह है रोजाना वॉक (पैदल चलना)। सवाल यह है कि आखिर एक दिन में कितने किलोमीटर चलना चाहिए? और रोज वॉक करने से क्या-क्या फायदे मिलते हैं? आइए इस पर तफ़सील से बात करते हैं।

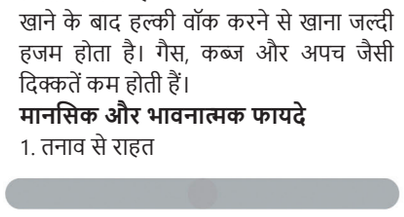

एक दिन में कितने किलोमीटर चलना चाहिए?
सेहत के माहिरों के मुताबिक एक सामान्य और सेहतमंद इंसान को रोजाना लगभग 4 से 6 किलोमीटर चलना चाहिए। यह दूरी औसतन 30 से 60 मिनट में पूरी की जा सकती है। अगर कदमों (स्टेप्स) में समझें तो रोजाना 8,000 से 10,000 कदम चलना बेहतर माना जाता है। हालांकि यह हर शख्स की उम्र, वजन, सेहत और फिटनेस लेवल पर भी मुनहसिर करता है।
अलग-अलग उम्र के हिसाब से सुझाव
•युवा (18-40 वर्ष) – 5 से 6 किमी रोजाना
•मध्यम आयु (40-60 वर्ष) – 4 से 5 किमी
•सीनियर सिटिजन (60 वर्ष से अधिक) – 2 से 4 किमी, अपनी सहूलियत के मुताबिक
अगर कोई व्यक्ति शुरुआत कर रहा है, तो उसे सीधे 5 किलोमीटर चलने की जरूरत नहीं। वह पहले 1 से 2 किलोमीटर से शुरू करे, फिर धीरे-धीरे दूरी बढ़ाए।

रोज वॉक करने के शारीरिक फायदे
1. दिल को रखे मजबूत
रोज तेज चाल से चलने से दिल की सेहत बेहतर होती है। इससे ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। नियमित वॉक करने से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है।
2. वजन कम करने में मददगार
अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो वॉक सबसे आसान तरीका है। रोज 5 किलोमीटर तेज चाल से चलने पर लगभग 200-300 कैलोरी तक बर्न हो सकती है। लगातार चलने से चर्बी कम होती है और शरीर फिट रहता है।
3. डायबिटीज पर कंट्रोल
रोजाना पैदल चलने से शरीर में इंसुलिन की संवेदनशीलता बेहतर होती है। इससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है। डॉक्टर भी शुगर के मरीजों को रोज वॉक की सलाह देते हैं।
4. हड्डियां और मांसपेशियां मजबूत
चलने से पैरों और कमर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। हड्डियों की मजबूती भी बढ़ती है और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी का खतरा कम होता है।
5. पाचन तंत्र बेहतर
खाने के बाद हल्की वॉक करने से खाना जल्दी हजम होता है। गैस, कब्ज और अपच जैसी दिक्कतें कम होती हैं।

मानसिक और भावनात्मक फायदे
1. तनाव से राहत
आजकल स्ट्रेस हर इंसान की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। रोज सुबह या शाम की वॉक दिमाग को सुकून देती है। इससे टेंशन कम होती है और मन हल्का महसूस करता है।
2. डिप्रेशन में राहत
वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि नियमित वॉक करने से शरीर में "हैप्पी हार्मोन" रिलीज होते हैं। इससे डिप्रेशन और एंग्जायटी कम होती है।
3. नींद बेहतर होती है
अगर आपको रात में नींद नहीं आती, तो रोजाना 30-40 मिनट की वॉक आपकी नींद सुधार सकती है। शरीर थकता है और दिमाग रिलैक्स होता है, जिससे गहरी नींद आती है।

इम्युनिटी और लंबी उम्र का राज
रोज वॉक करने से शरीर की इम्युनिटी मजबूत होती है। जो लोग नियमित रूप से पैदल चलते हैं, उन्हें सर्दी-जुकाम और छोटी-मोटी बीमारियां कम होती हैं। कई शोध बताते हैं कि जो लोग एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाते हैं, उनकी उम्र भी लंबी होती है।

वॉक करने का सही तरीका
सिर्फ चलना ही काफी नहीं, सही तरीके से चलना भी जरूरी है।
1.तेज चाल से चलें – इतना तेज कि सांस थोड़ी तेज चले लेकिन बात कर सकें।
2.सीधा पोस्चर रखें – झुककर न चलें।
3.आरामदायक जूते पहनें – अच्छे स्पोर्ट्स शूज का इस्तेमाल करें।
4.वार्मअप और कूलडाउन करें – शुरुआत और अंत में 5-5 मिनट हल्की चाल रखें।
5.खाली पेट भारी वॉक न करें – हल्का नाश्ता कर लें।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल कूद प्रकोष्ठ की ओर से रोज़ा इफ्तार प्रोग्राम आयोजित

कोटा (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खेलकूद प्रकोष्ठ की ओर से कोटा स्थित दरगाह हजरत जंगली शाह बाबा, वल्लभनगर में पवित्र रमज़ान माह के अवसर पर रोज़ा इफ़्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ख़ास मेहमान के तौर पर शहर काजी जुबेर अहमद कांग्रेस सांसद प्रत्याक्षी कोटा लोकसभा प्रहलाद गुंजल, राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन मौलाना फजले हक, वक्फ विकास परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. इकराम खान, विधायक प्रत्याक्षी महेंद्र राजोरिया, पूर्व राजस्थान महिला कांग्रेस अध्यक्ष राखी गौतम, रवींद्र त्यागी, शालिनी गौतम एवं खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में रोज़ेदारों, कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस खेल कूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान ने बताया की इस अवसर पर हाड़ोती संभाग एवं कोटा जिला स्तर के कांग्रेस नेताओं ने आपसी भाईचारे, सद्भाव और एकता का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि रमज़ान का महीना त्याग, सेवा, प्रेम और मानवता का संदेश देता है, और ऐसे आयोजन समाज में सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में सभी धर्मों एवं समुदायों के लोगों की सहभागिता ने सामाजिक समरसता की मिसाल पेश की। अंत में सभी ने देश और प्रदेश की खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की की दुआ की। अमीन पठान ने कहा की मै दिल की गहराइयों से सभी सम्मानित अतिथियों, साथियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सहयोग और सहभागिता से यह आयोजन ऐतिहासिक रूप से सफल हुआ।

बारां में 466 नवनियुक्त कार्मिकों को जिला कलक्टर ने सौंपे नियुक्ति पत्र

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के अजमेर में हुए आयोजन के साथ ही जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन शनिवार को जिला परिषद के प्रथम तल स्थित सभागार में किया गया। इस अवसर पर नवचयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम में वेलकम किट तथा नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से सीधा प्रसारण जिला मुख्यालय स्थित जिला परिषद सभागार में किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने 466 नवचयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 219, पंचायती राज विभाग के 52, पशुपालन विभाग के 90, राजस्व विभाग के 86, माध्यमिक शिक्षा विभाग के चार, संस्कृत शिक्षा विभाग के आठ, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के दो, जल संसाधन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्थानीय स्वशासन, खान एवं भूविज्ञान विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के एक-एक अभ्यर्थी शामिल हैं। इस अवसर पर उप जिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल, जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, सीएमएचओ संजीव सक्सेना, जिला रोजगार अधिकारी राकेश वर्मा, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य सीपी मीणा सहित जनप्रतिनिधि, अन्य अधिकारी एवं नव चयनित कार्मिक उपस्थित रहे।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स, कोटा द्वारा सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका) । बुधवार 25 फ़रवरी 2026 को एक निजी संस्थान में कार्यक्रम आयोजित कर ज़कात की हक़दार दो निर्धन महिलाओं को स्वरोजगार योजना के तहत दो अंब्रेला सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। संस्था के मीडिया प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार एक निर्धन छात्रा को बी एड प्रशिक्षण हेतु 26780/- की फीस जमा कराई गई एवं एक छात्र को 10000/- की फीस तथा केरियर प्वाइंट सिटी में अध्ययनरत बी पी टी की एक छात्रा को 70000/- की फीस भी जमा कराई गई। प्रोग्राम की अध्यक्षता ए एम पी कोटा संभाग के क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी ने की। अन्य अतिथियों में वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी, ए एम पी कोटा के चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मान खान, आरिफ शेरवानी, सुहेल कुरेशी, एम सी टी के उपाध्यक्ष मुख्तार हुसैन अंसारी, अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा के ट्रेज़रर अब्दुल मजीद अंसारी, नियामतुल्लाह खान, इंजीनियर ज़ाकिर हुसैन और सितारा कुरेशी मौजूद रहे। संचालन अब्दुल मजीद अंसारी ने किया।

अन्ता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कई गांवों में पहुंच कर मतदाताओं का जताया आभार

-जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । अन्ता विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया ने रविवार को विधानसभा उप चुनाव में विजयी बनाने पर क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु धन्यवाद यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक बारां के ग्राम मण्डोली, इकलेरा, दौलतपुरा, तूमडा एवं बामला, बामली गांवों का दौरा किया। ग्रामों में पहुंचने पर मतदाताओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रमोद जैन भाया का माल्यार्पण, साफाबंदी एवं आतिशबाजी कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। जगह-जगह ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक प्रमोद जैन भाया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वे अन्ता विधानसभा एवं बारां जिले की जन समस्याओं के समाधान के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व कांग्रेस शासनकाल में उनके द्वारा धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास कार्य करवाए गए थे और वर्तमान में भी वे विधानसभा में बारां जिले एवं अन्ता विधानसभा क्षेत्र से जुडी जन समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठा रहे हैं। अब तक वे 100 से अधिक विधानसभा प्रश्नों के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रख चुके हैं। भाया ने कहा कि जब तक उनके शरीर में प्राण हैं, वे जनहित से जुडी समस्याओं एवं क्षेत्र के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल में स्वीकृत जीवनदायिनी परवन सिंचाई परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि बारां, झालावाड एवं कोटा जिले के 1405 गांवों के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना का शिलान्यास कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कर कमलों से हुआ था। वर्तमान में इस परियोजना के निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलम्ब एवं घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायतें सामने आई हैं, जिस पर उन्होंने सरकार से दोषी ठेकेदारों से करोडों रुपये की वसूली करने तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की है। कार्यक्रम के दौरान बडी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंगलम महिला मंडल वेलफेयर सोसायटी की ओर से क्विज प्रतियोगिता कराई

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। मोड़क गांव क्षेत्र में मंगलम महिला मंडल वेलफेयर सोसायटी की ओर से क्विज प्रतियोगिता कराई गई। अध्यक्षा विभा सचान और संयुक्त अध्यक्षा शशि मंडोत के मार्गदर्शन में क्विज प्रतियोगिता हुई। पीआरओ स्नेहा पालीवाल के अनुसार प्रतियोगिता के चार ग्रुप बनाए गए। प्रार्थना, वंदना, साधना एवं प्रेरणा चारों ग्रुप में चार-चार प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को चार राउंड में बांटा गया। प्रथम राउंड जनरल राउंड, रैपिड फायर राउंड, धुन और विजुअल राउंड हुआ। जिसमें प्रतियोगियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रतियोगिता में विजेता टीम प्रार्थना और उप विजेता वंदना टीम रही। अध्यक्षा ने टीमों का स्वागत करते हुए विजेता-उपविजेता टीम को पुरस्कार दिया। संचालन गेम सेक्रेटरी प्रियंका शर्मा व दीपिका चोटिया ने किया। प्रतियोगिता में सचिन, संगीता सन्नाडे, कमेटी और क्लब की सभी सदस्याएं शामिल रही।

सुकेत नगर पालिका में जय सरस्वती आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत में जय सरस्वती आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुकेत द्वारा विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी में विद्यालय के बालक बालिकाओं ने विज्ञान का मानव जीवन में सकारात्म और नकारात्म प्रभाव, नवीन आविष्कारों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शनी में मॉडल प्रस्तुत किए जहां प्रदर्शनी का उद्घाटन ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह गोयंदा और थानाधिकारी सुकेत महावीर प्रसाद ने किया जहां विद्यालय के संचालक अब्दुल रऊफ सर, ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेन्द्र धानिया, मंडल अध्यक्ष सातलखेड़ी सावन ललावत, पूर्व छात्रसंघ महासचिव हेमंत हाड़ा, नवीन पुरोहित एवं वरिष्ठ नगरवासी उपस्थित रहे, बड़ी संख्या में बालक बालिकाओं के अभिभावक भी प्रदर्शनी देखने आए। इस अवसर पर थानाधिकारी महावीर प्रसाद ने बच्चों से कई सवाल प्रदर्शनी के संबंध में किए जिनके जवाब बच्चों ने बेबाकी से दिए, थानाधिकारी ने विज्ञान का मानव जीवन में महत्व को समझाया और बच्चों की हौसला अफजाई की। ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह गोयंदा ने कहा मानव जीवन में औद्योगिक क्रांति विज्ञान के माध्यम से ही आई आज जब हम अपने चारों ओर देखते है तो पूरा मानव जीवन विज्ञान और उसके आविष्कारों से भरा पड़ा है जिसने मानव जीवन को आसान बनाया है जीवन को सुलभता प्रदान की है विज्ञान अंधविश्वास को दूर करने में अपना महत्वपूर्ण सहयोगी बना है आज विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यालय ने एक अच्छा कार्यक्रम आयोजित किया है। इससे विज्ञान के प्रति बच्चों में रुचि बढ़ाने में मदद मिलेगी, गोयन्दा ने कहा विज्ञान अन्न उत्पादन, मोबाइल, इंटरनेट, चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति और विनिर्माण इकाइयां इसके महत्वपूर्ण उदाहरण है। आज प्रदर्शनी में बच्चों ने मानव हृदय, फेफड़ों के माडल, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन का मानव और जीवों पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण, परफेक्ट फ्यूचर सिटी, सिग्नल फ्री सिटी, ग्रीन हाउस प्रोजेक्ट, वर्षा जल संग्रहण, सौरमंडल, मंगल यान, डे नाइट माडल, अम्लीय वर्षा, ऑर्गेनिक खेती, चंद्रयान, रॉकेट एवं मिसाइल प्रक्षेपण, हाइड्रोलिक सिस्टम, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, रडार आदि माडल क्रियाशील स्थिति में बनाकर प्रस्तुत किए जिन्हें देख अतिथियों ने बच्चों की प्रतिभा की बहुत-बहुत सराहना की।

6 साल की मासूम फ़लक़ मोयल ने रखा रोज़ा

मेड़ता (रॉयल पत्रिका)। रमज़ान के मुक़द्दस महीने की रूहानी फ़िज़ाओं में आस्था और सब्र का एक नूरानी मंज़र उस वक़्त देखने को मिला, जब मेड़ता निवासी सिराजुद्दीन मोयल की मासूम पोती और आर्किटेक्ट वसीम मोयल की महज़ 6 साल की नन्ही बच्ची फ़लक़ मोयल ने रमज़ान के मुक़द्दस महीने में रोज़ा रखकर खुदा की इबादत की। इतनी कम उम्र में सब्र, परहेज़ और आस्था का यह खूबसूरत नमूना न सिर्फ़ परिवार के लिए फ़ख़्र का सबब बना, बल्कि समाज के लिए भी एक नर्म लेकिन गहरी प्रेरणा छोड़ गया। फ़लक़ मोयल ने नन्ही सी उम्र, नाज़ुक बदन, मगर हौसले और ईमान की मज़बूती इस तरह पेश की कि बड़ों को भी हैरत में डाल दिया। भूख और प्यास की आज़माइश के बावजूद फ़लक़ के चेहरे पर शिकन नहीं, बल्कि सुकून और खुशी झलकती रही। यह रोज़ा सिर्फ़ एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि यह इस बात की मिसाल है कि सही तालीम, पारिवारिक संस्कार और दीन से जुड़ाव बचपन में ही इंसान के दिल में उतर जाए तो वह उम्र का मोहताज नहीं रहता। फ़लक़ मोयल का यह क़दम न केवल परिवार के लिए फ़ख़्र का सबब है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्यारा और प्रेरणादायक संदेश है कि रमज़ान सिर्फ़ इबादत का महीना नहीं, बल्कि सब्र, सादगी और रूहानी परवरिश का महीना है। अल्लाह तआला इस नन्ही रोज़ेदार की इबादत क़ुबूल फ़रमाए और उसे नेक सेहत व कामयाबी अता करे। आमीन।

सांगोद न्यायालय परिसर में बिरला व नागर का किया अभिनंदन

सुकेत/सांगोद (रॉयल पत्रिका)। सांगोद न्यायालय परिसर में आयोजित अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और अति विशिष्ट अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर का अधिवक्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ने नव सृजित अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय सहित अन्य न्यायिक सुविधाओं के लिए किए गए प्रयासों को रेखांकित किया, वहीं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने न्यायालय भवन में सुविधाओं के विस्तार हेतु 30 लाख रुपए की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास ने ई-फाइलिंग और हाईटेक न्याय प्रक्रिया अपनाने पर जोर दिया। समारोह में अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष रामप्रसाद नागर सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों ने शिरकत की, जहां अतिथियों का माल्यार्पण व साफा बांधकर सम्मान किया गया।

सुकेत कस्बे में शौचालय रेवंत प्रतीक्षा के हाल बदहाल कोई धनी धोरी नहीं

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। सुकेत कस्बे में बस स्टैंड पर बस स्टैंड शौचालय के अदर गंदगी का अंबर पड़ता है और वहां पर पेशाब करने पर भी परेशानी का सामना करना पड़ता है अंदर और बाहर पेशाब बहता रहता है वह रोड पर बदबू आती रहती है सुविधा का अभाव है वही पास में विश्राम उसमें गंदगी कंबर लगे रहते है मवेशी धर्मशाला के अंदर भी दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है। प्रशासन को इसका समाधान करना चाहिए और बस स्टैंड चौराहे पर तकरीबन 15, 20 गांव के आदमी का आना और जाना लगा रहता है। इस रोड पर जयपुर, इंदौर, भोपाल, जोधपुर, दिल्ली से बसों का आवागम रहता है और फोरलेन पर जो भारी वाहन निकलते है वहां टोल बचाने के चक्कर में कस्बे के अंदरसे भारी वाहनों को निकाल कर अपना टोल बचाते हैं इसलिए भी कस्बे के अंदर भारी वाहन आने से दिनभर जाम का माहौल रहता है और मैजिक वगैरा छोटीगड़ियां रोड पर खड़ी रहती है इस समस्या को नगर पालिका को कई मर्तबा जानकारी दी गई है परंतु कोई समाधान नहीं निकला प्रशासन इस ओर ध्यान देकर सुलभ शौचालय के सही निर्माण करने का कार्य करे।

अंजुमन सदर मन्नू पठान की ओर से रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम आयोजित

-रोजा इंसान को मजबूत बनाता है:- प्रमोद भाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । 1932 से शिक्षा और सामाजिक सरोकारों में अग्रणी संस्था मदरसा अंजुमन इस्लामियां बारां, के सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान की जानिब से रविवार 01 मार्च 2026 को अंजुमन मैरिज हॉल में रोजा अफ्तार कार्यक्रम आयोजित किया गया, रोजा अफ्तार कार्यक्रम के बाद हाल ही में गठित हुई अंजुमन कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। अंजुमन के नायब सदर पार्षद मोहम्मद जाकिर खान के अनुसार प्रोग्राम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री व अंता विधायक प्रमोद जैन भाया रहे, अध्यक्षता पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल ने की, मेहमान ए खुसूसी प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा, नगर परिषद के उपसभापति नरेश पैंतरा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज रहे। वहीं पूर्व अंजुमन सदर माजिद सलीम, भाईजान एडवोकेट नवीद अशफाक रजा, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी, स्टेट हज कमेटी राजस्थान के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक मांगरोल, अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के सदर आबिद हुसैन अंसारी, पठान वेलफेयर सोसाइटी के सदर मोहम्मद इलियास पठान, पूर्व अंता नगर पालिका चेयरमैन मुस्तूफ़ा खान, एम इदरीस खान पूर्व चेयरमैन सीसवाली, मोहतमिम अब्दुल कय्यूम, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन साजिद सलीम, चौबीस खेड़ा के सदर कलाम अंसारी सीसवाली, मोमिनान सदर अब्दुल गफूर अंसारी, हाजी वहीद खान बर्तन वाले, अजीम पठान कवाई, पूर्व सदर फकीर मोहम्मद सहित कई अतिथि मंचासीन रहे। अंजुमन के प्रवक्ता शब्बीर हुसैन ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष अमीन पठान ओर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल ने अंजुमन कमेटी के सभी पदाधिकारियों ओर सदस्यों को अंजुमन की फलाह ओर बेहतर तालीम के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई। प्रोग्राम कन्वीनर इकबाल नेता ने बताया कि रोजा अफ्तार प्रोग्राम के मौके पर बोलते हुए अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ने कहा कि रोजा मुस्लिम समाज के लिए बड़ी इबादत है जिसमें मुस्लिम भाई भूख ओर प्यास की शिद्दत को बर्दाश्त करके ईश्वर से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल ने कहा कि आप सभी रोजेदारों को रमजान की शुभकामनाएं ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सभी रोजेदार खुशहाल रहें ओर सेहतमंद रहें। मेहमान ए खुसूसी प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ राजस्थान के अध्यक्ष अमीन पठान ने कहा कि अंजुमन कमेटी के नवनिर्वाचित सदर मन्नू पठान को बहुत बहुत मुबारकबाद, आप सभी अंजुमन को बेहतर तरीके से चलाए ओर यहां पर बच्चे अच्छी तालीम हासिल करें और हमारी बेटियां मेरिट में आए यही पूरी कमेटी से उम्मीद है। प्रोग्राम में नायब सदर अशफाक मयूर, साजिद खान लजीज, जनरल सेकेट्री फ़राज़ अहमद, सेकेट्री इमरान रंगरेज, खजांची मास्टर अय्यूब अली, तालीम कन्वीनर अलीम पठान, प्रोग्राम कन्वीनर राजू खान बर्तन वाले, गफ्फार खान एडवोकेट, तामीर कन्वीनर महबूब अली, रईस राजा, इमरान खान टेंट, जुगनू पठान, वरिष्ठ अधिवक्ता फिरोज खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान की सदारत में इफ्तार पार्टी का हुआ आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। रोशन नूरी मस्जिद भिस्तियान के सामने, समाजसेवी हाजी ज़हिरुल इस्लाम के उदयमंदिर आसन स्थित निवास स्थान पर 11वें रोजे के उपलक्ष में इफ्तार पार्टी का बेहतरीन आयोजन दारुल उलूम इसहाकिया के मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान शेर मोहम्मद की सदारत (अध्यक्षता) में रविवार को किया गया। इफ्तार के वक्त खुशीशी दुआओं में मुफ्ती शेर मोहम्मद ने नमाज पढने, पडौसी व रिश्तेदारों के साथ बेहतर व्यवहार करने, मुल्क में अमनो चैन, कौमी एकता, खुशहाली, दुनिया में शांति, सभी को मिलजुल कर रहने और एक दूसरे का सम्मान करने की दुआ की। इस मौके पर मौलाना हाफिज हाशमी काशीपुरी ने रमजान की अहमियत और जकात हमारी पहली जिम्मेदारी विषय पर अपनी बात कहीं। इफ्तार पार्टी के इस खास प्रोग्राम में क़ौम अब्बासियान के सदर अब्दुल रशीद अब्बासी, पूर्व सदर सलीम पंवार, दारुल उलूम इसहाकिया के संयुक्त सचिव मोहम्मद अय्यूब, हाजी फारूक छिपा, हाजी जाकिर अब्बासी, हाजी मज़हरुल इस्लाम, जाकिर कुरैशी, सादीकुल इस्लाम, मोहसिन अतारी, मोहम्मद सद्दाम, महबूब आलम, मोहम्मद हासिम, मोहम्मद फैजान एवं क़ौम अब्बासियान सहित विभिन्न कौमों के कई गणमान्य लोग मौजूद रहें। इफ्तार के बाद सभी ने मिलकर मगरीब की नमाज अदा की।

कुरान में स्पष्ट है कि अल्लाह तुम्हारे लिए आसानी चाहता है तंगी नहीं यह संदेश रमजान की इबादतों में भी झलकता हैं - मुफ्ती गुलशेर रज्जा अल-मिस्बाही

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मदरसा सैयदना तौकीर उल-उलूम सैनिक बस्ती के प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रज्जा अल-मिस्बाही ने माहे रमजान की मुबारकबाद दी। ओर कहा माहे रमजान के बारे में पवित्र कुरान में कई महत्वपूर्ण और विशेष बातें बताई गई हैं। जो इस महीने को इस्लाम में सबसे पवित्र बनाती हैं। कुरान का अवतरणः कुरान की सूरह अल-बकरा (2:185) के अनुसार, रमज़ान वह महीना है जिसमें कुरान इंसानियत के मार्गदर्शन (हिदायत) के लिए उतारा गया । इसी महीने की एक विशेष रात, जिसे 'लैलतुल कद्र' कहा जाता है, में पहली बही (संदेश) नाजिल हुई थी। रोज़ा रखना अनिवार्यः कुरान में आदेश दिया गया है कि जो कोई भी इस महीने को पाए, वह रोज़ा (व्रत) रखे। यह इस्लाम के पांच प्रमुख स्तंभों में से एक है। तक़वा (परहेजगारी) का उद्देश्यः कुरान के अनुसार, रोज़े का मुख्य उद्देश्य इंसान के भीतर 'तक़वा' यानी ईश्वर-भय-चेतना और

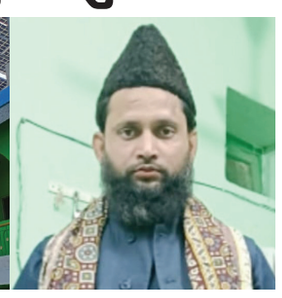

संयम पैदा करना है। यह केवल भूखे रहने का नाम नहीं, बल्कि अपनी बुराइयों और इच्छाओं पर नियंत्रण पाने का अभ्यास है। बीमारों और मुसाफिरों को छूटः कुरान उदारता दिखाते हुए कहता है कि जो व्यक्ति बीमार हो या यात्रा पर हो, उसे उस समय रोज़ा न रखने की अनुमति है, लेकिन उसे बाद में उतने दिनों की गिनती पूरी करनी होगी। अल्लाह की आसानीः कुरान में स्पष्ट है कि "अल्लाह तुम्हारे लिए आसानी चाहता है।, तंगी नहीं"। यह संदेश रमज़ान की इबादतों में भी झलकता है। माहे रमजान की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि इसी माह में पवित्र कुरआन पूरा नाजिल हुआ। रमजान की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए, मुफ़्ती साहब ने बताया कि मानसिक रूप से स्वस्थ हर मुस्लिम मर्द और औरत के लिए रमजान का रोजा अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में केवल खाने पीने से परहेज का नाम रोजा नहीं है बल्कि ये जरूरी है कि शरीर के विभिन्न अंगों जैसे हाथ, पैर, दिल, आंख कान आदि को भी उन चीजों और कामों से बचाया जाए जिसकी मनाही अल्लाह ने की है। कुरआन और हदीस का हवाला देते हुए कहा कि रोजा की हालत में चंद चीजों को छोड़ने की प्रैक्टिस और ट्रेनिंग दी जाती है ताकि सारी उम्र वो खुदा के हुक्म के अनुसार जीवन गुजारेगा और वो उन चीजों को छोड़ देगा जो उसके रब को नापसंद है। रोजा की हालत में खाना पीना छोड़ देना दरअसल इस बात का प्रमाण है कि बंदा अपने रब के फरमा बरदार है। वो हर उस चीज को छोड़ने के लिए तैयार हो जाता है जिसे छोड़ने का आदेश अल्लाह ने दिया है। यहां तक कि निर्धारित अवधि में वो भूखा प्यासा रहने को भी तैयार हो जाता है। रोजा की पाबंदी के साथ-साथ कुरआन की तिलावत भी करें। और जहां तक हो सके तिलावत-ए-कुरान तर्जुमा से पढ़ें और सीखें कोशिश ये होनी चाहिए कि किसी से भी चीख चिल्ला कर बात न करें, न ही किसी से लड़ाई झगड़ा करें। पीठ पीछे दूसरे की बुराई न करें। रमजान के महीने में लोग अपनी मुट्ठी खोल दें। गरीब, बेसहारा, और जो जकात का हकदार है उसको जकात अदा करें। एक माह के रोजे रखना भी वैज्ञानिक दृष्टि से स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

हुजूर नसीरे मिल्लत के हक़ में राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर का ऐतिहासिक फैसला

-इश्तियाक अहमद का दावा हुवा खारिज़

मोहम्मद अली पठान

फतेहपुर (रॉयल पत्रिका)। दरगाह हज़रत ख्वाजा हाजी मोहम्मद नजमुद्दीन साहिब सुलैमानी चिश्ती अल्फ़ारूक़ी रहमतुल्लाह अलेह के सज्जादानशीन व मुतवल्ली हुजूर नसीरे मिल्लत के ख़िलाफ़, इश्तियाक अहमद वल्द गुलाम मोइनुद्दीन ने सन् 2021 में एक दावा बाबत उद्घोषणा पूर्व में माननीय सुप्रीम कोर्ट से हुजूर नसीरे मिल्लत के हक़ में हुवे फैसलों और वसीयत को खारिज करवाने बाबत, बउनवानी इश्तियाक अहमद बनाम पीर गुलाम नसीर आदि सिविल कोर्ट फतेहपुर में पेश किया था, जो कि माननीय ए.सी.जे.एम. फतेहपुर ने दावा आदेश 7 नियम 11 सी.पी.सी. के तहत बतारीख 10.11.2022 को खारिज कर दिया था, जिसकी अपील पर सुनवाई में माननीय ए.डी.जे. फतेहपुर ने बतारीख 29/09/2025 को इश्तियाक

अहमद की अपील मंजूर कर, ए.सी.जे.एम. कोर्ट फतेहपुर को दावे की सुनवाई करने के लिए फाइल को लौटा दिया। माननीय ए.डी.जे. कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ हुजूर नसीरे मिल्लत ने माननीय राजस्थान हाइ कोर्ट जयपुर, में अपील की जिसमे आज बतारीख 24.02.2026 को माननीय राजस्थान हाई कोर्ट ने माननीय ए.सी.जे.एम. फतेहपुर के फैसले को सही ठहराते हुए, वादी पर 25000 की कॉस्ट लगा कर, माननीय ए.डी.जे. फतेहपुर के फैसले को अपास्त कर दिया। निचली अदालतों में हुजूर नसीरे मिल्लत की पैरवी एडवोकेट दिनेश शर्मा ने की और राजस्थान हाई कोर्ट में आप की पैरवी एडवोकेट अमित सिंह शेखावत ने की। इस मौके पर दरगाह शरीफ के तमाम मुरीदीन, मुतवस्सिलीन व जुमला मुहिबबीन आभार व्यक्त किया ।

अजमेर में ख्वाजा साहब के नाम से 100 वर्ष पुराने स्कूल का नाम सरकार ने बदला

मोहम्मद अली पठान

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। शहर में 100 वर्ष पुराने राजकीय मोइनिया इस्लामिया स्कूल के नाम बदलने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजुमन सैयदजादगान के प्रवक्ता और अजमेर दरगाह शरीफ से जुड़े प्रमुख चेहरे सैयद सरवर चिश्ती ने इस कदम को साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं जयपुर स्थित वक्फ कमेटी के उप सचिव और अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर नाम परिवर्तन के आदेश को तत्काल रद्द करने की मांग की है। चिश्ती ने कहा, "यह स्कूल गरीब नवाज

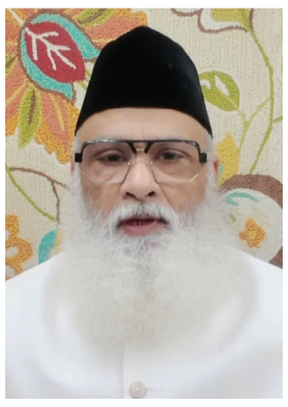

हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के नाम पर स्थापित किया गया था। इसका नाम 'मोइनिया इस्लामिया' रखना सदियों पुरानी परंपरा और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है। शिक्षा विभाग बीकानेर की ओर से जारी आदेश के तहत अब इसे 'राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, स्टेशन रोड' नाम कर दिया गया है। यह फैसला बिना वक्फ बोर्ड की अनुमति के लिया गया है, जो नियम-विरुद्ध है।" उन्होंने आगे कहा कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे राजस्थान हाईकोर्ट में मुकदमा दायर करेंगे। चिश्ती ने आरोप लगाया कि यह कदम अजमेर की सदियों पुरानी साम्प्रदायिक एकता और सौहार्द को खराब करने की कोशिश है। अजमेर, जहां हिंदू-मुस्लिम सद्भाव का प्रतीक ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह है, वहां ऐसे फैसले समाज में तनाव पैदा कर सकते।

सात वर्षीय अजहर ने रखा पहला रोज़ा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । रहमतों, बरकतों ओर इबादतों का पाकीज़ा महीना रमजानुल मुबारक के आगाज के साथ ही माहे रमजान के रोजे की इब्तिदा हो गई जिसमें इस्लाम के मानने वाले तमाम लोग रोजा रख कर इबादतों में मशगूल है। जहां बडे बुजुर्ग, नोजवान, महिला, पुरुष रोजा रख रहे हैं वहीं नन्हे बच्चे भी रोज़ा रखकर इबादत में मशगूल है। रविवार को नियामत पठान के पोते व उस्ताद हमीम बक्श के नवासे व मोहम्मद आसिफ पठान के छह वर्षीय बेटे मोहम्मद अजहर ने अपना पहला

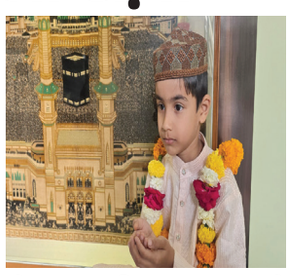

रोजा रखा। दिन भर इबादत में मशगूल रहने के बाद शाम को मगरिब की अज़ान के साथ रोज़ा खोला ओर नमाज पढ़ कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। रुहान को बस्ती वालों ने खूब दुआओ से नवाजा।

जिला कालीका महिला पुलिस टीम ने स्कूल में बच्चों को सिखाये आत्मरक्षा के गुण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित ग्लोबल इंग्लिश अकैडमी वन विहार कॉलोनी चूरू में एक (सेमिनार) संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें टीम कालिका जिला पुलिस चूरू की देख-रेख में बच्चों को आत्मरक्षा, साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा, महिला सुरक्षा, अत्यधिक मोबाइल के नुकसान, राज- कोप एप और बढ़ती हुई (चाइल्ड किडनैपिंग) बच्चों के अपहरण आदि विषयों के बारे में खुलकर चर्चा की गई । जिला कालिका टीम (महिला पुलिस) चूरू कौशल्या की देखरेख में पूनम, सुमन, सुनीता, मंजू, चंदा, प्रमिला और हैमलेश ने बच्चों

को प्रशिक्षण दिया और बच्चों में उपरोक्त सभी विषयों के बारे में जानकारी दी और बच्चों को जागरूक किया । संस्था प्रधान अब्दुल सत्तार ने पूरी टीम का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया । और बताया कि यह सेमिनार बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत ही मददगार साबित होगी।

लॉ कॉलेज की छात्रा से दो शिक्षकों ने की जातिगत टिप्पणी एवं फैल करने का आरोप

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय विधि महाविद्यालय में अध्ययनरत एक एल एल बी छात्रा ने दो शिक्षकों पर जातिगत टिप्पणी कर अपमानित करने और फेल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की लिखित रिपोर्ट पर कोतवाली थाने में एससी/एसटी एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच वृत्ताधिकारी सुनील झाझड़िया कर रहे हैं। यूजीसी कानून को लेकर चल रही बहस के बीच चूरू का यह मामला अब चर्चा में है। राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू से रिपोर्ट में छात्रा ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2025 में एक कार्यक्रम

के दौरान प्रश्न पूछने पर एक पुरूष लेक्चरार व महिला लेक्चरर नाराज हो गई और कथित रूप से उसे जाति सूचक शब्द कहकर पूरी कक्षा के सामने अपमानित किया। आरोप है कि अध्यापिका ने उसकी कक्षा में जाति को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि एलएलबी करना आपका काम नहीं है। आप लॉ नहीं कर सकते हो। उस समय वहां पर अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद थे रिपोर्ट में बताया गया कि इसके बाद से अध्यापिका लगातार जलील करती आ रही है और प्रेक्टिकल में कम नंबर देकर उसको फेल भी कर दिया गया। वह उसके साथ जातिगत दुश्मनी रखने लगी तथा इसी साल 21 फरवरी को महिला लेक्चरर से फेल करने कारण पूछा तो कहा मेरी मर्जी है, मैंने कर दिया। छात्रा ने कॉलेज प्रशासन को भी शिकायत दी, लेकिन सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। पुलिस नेय् रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच की जाएगी।

मकराना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: तेज आवाज वाले साइलेंसरों पर चला हंटर, 8 बुलेट जब्त

मकराना (रॉयल पत्रिका)। शहर की सड़कों पर तेज और कर्कश आवाज के साथ दहशत फैलाने वाली मॉडिफाइड बुलेट मोटरसाइकिलों के खिलाफ मकराना पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। आमजन की शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 8 मॉडिफाइड बुलेट मोटरसाइकिलों को जब्त किया है। लंबे समय से स्थानीय निवासियों और राहगीरों द्वारा शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ युवक बुलेट में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर तेज धमाके, पटाखे जैसी आवाजें निकालते हैं, जिससे बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को काफी परेशानी हो रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए थानाधिकारी गरिमा चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कस्बे के विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर इन वाहनों को पकड़ा। 8 बुलेट मोटरसाइकिलें एमवी एक्ट के तहत जब्त कि गयी है जिनके साइलेंसर के साथ छेड़छाड़ और ध्वनि प्रदूषण फ़ैल रहा था। पुलिस ने साफ किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस प्रशासन ने वाहन स्वामियों और विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे अपनी मोटरसाइकिलों में कंपनी फिटेड साइलेंसर ही रखें और नियमों का पालन करें, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक शांति भंग करने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। मॉडिफाइड साइलेंसर न केवल ध्वनि प्रदूषण फैलाते हैं, बल्कि यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन भी हैं।

माहे रमज़ान बरकत और रहमत का महीना - मौलाना हाफिज अब्बास

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित आथूना मोहल्ला मदीना मस्जिद के इमाम मौलाना हाफिज अब्बास ने माहे रमज़ान की मुबारकबाद पेश कि और बताया कि रमजान सिर्फ एक महीना नहीं है, बल्कि यह अल्लाह के करीब जाने और खुद को बेहतर बनाने का सुनहरा मौका है। यह रहमत (दया), मफिरत (माफी) और बरकत (आशीर्वाद) से भरा होता है। इस महीने में रोजा रखना फर्ज (जरूरी) किया गया है, लेकिन इसका मतलब सिर्फ भूख और प्यास से बचना नहीं, बल्कि अपने दिल, दिमाग और रूह को पाक (शुद्ध) करना भी है। कुरआन में अल्लाह फरमाता है-रमजान यह महीना है जिसमें कुरआन नाज़िल किया गया, जो लोगों के लिए हिदायत (मार्गदर्शन) है और जिसमें सच और झूठ में फर्क करने वाली निशानियाँ हैं। (सूरह अल-बक़रहः 185) नबी ने फरमाया जब रमजान आता है तो जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं, जहन्नम के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं ।और शैतानों को बांध दिया जाता है। (बुखारीः 1899) रमजान का मकसद सिर्फ इबादत (पूजा) करना नहीं, बल्कि हमें अच्छा इंसान बनाना भी है। रोजा हमें बुरी

आदतों, गलत बातों और झगड़ों से बचने की सीख देता है। नबी ने कहा- रोज़ा एक ढाल (रक्षा कवच) है, इसलिए जब कोई रोजे से हो तो न गलत बातें करे, न झगड़ा करे। अगर कोई उसे गाली दे या लड़ाई करे तो वह बस इतना कहे मैं रोजे से हूँ, (बुखारीः 1894) इस महीने में हर नेकी (अच्छे काम) का सवाब (इनाम) कई गुना बढ़ जाता है। नफ़्ल (ऐच्छिक) इबादत का सवाब फर्ज (अनिवार्य) के बराबर और फर्ज का सवाब कई गुना कर दिया जाता है। नबी ने कहा- जो शख्स सच्चे दिल से ईमान और सवाब की नीयत से रमजान के रोजे रखता है, उसके सारे पुराने गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। (बुखारीः 38) इस महीने की सबसे खास रात शब-ए-कद्र होती है जो हज़ार महीनों से बेहतर है। इस रात की इबादत का बहुत बड़ा इनाम है। नबी ने कहा- जो शख्स शब-ए-कद्र में ईमान और सवाब की नीयत से इबादत करता है, उसके सारे गुनाह माफ कर दिए जाते हैं। (बुखारीः 1901) रमज़ान हमें गरीबों की भूख-प्यास का एहसास कराता है, जिससे हमारे अंदर हमदर्दी और दरियादिली (सहानुभूति और उदारता) आती है। यही वजह थी कि नबी रमजान में सबसे ज्यादा सखावत (दया और दान) किया करते थे। हजरत इब्न अब्बास (रजि.) फरमाते हैं रमजान में नबी की दरियादिली तेज आंधी से भी ज्यादा होती थी। (बुखारी-1902) रोजा सिर्फ एक इबादत ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को जहरीले तत्वों से साफ करता है और आत्मनियंत्रण को मजबूत बनाता है। इस पवित्र महीने में हमें ज्यादा से ज्यादा इबादत, कुरआन की तिलावत (पढ़ाई), दुआ, जकात और सदकात और अच्छे कामों में समय लगाना चाहिए, ताकि हम अल्लाह की रहमत और माफी पा सकें। रमजान एक ऐसा तोहफा है, जो हमें खुद को बेहतर बनाने और अल्लाह की खुशी हासिल करने का मौका देता है। अल्लाह हमें इस महीने की पूरी बरकतें पाने की तौफीक दे। आमीन!

विकसित भारत निर्माण में एनजीओ की है महत्ती भूमिका – डॉ. सुशील त्यागी

-सामाजिक संस्थाओं को किया सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर युक्ति सामाजिक शोध संस्थान चूरू के द्वारा देर शाम तक विश्व एनजीओ दिवस पर परिचर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया परिचर्चा का विषय विकसित भारत निर्माण में एनजीओ की भूमिका था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर सुशील त्यागी, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान समाजशास्त्र परिषद जयपुर, ने कहा कि एनजीओ के सहयोग के बिना विकसित भारत का निर्माण हम नहीं कर सकते क्योंकि राज्य तथा देश के पास इतने संसाधन, मैनपॉवर और बौद्धिक संपदा नहीं है, अगर कोई व्यक्ति समाज सेवा के क्षेत्र में कोई काम करता है तो हमें चाहिए कि उसे प्रोत्साहित करें। डॉ. त्यागी ने अपने उद्बोधन के साथ-साथ एनजीओ के प्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वर्तमान माहौल में आज हमें समाज सेवा के क्षेत्र में एक ऐसे तबके, ऐसे वर्ग पर ध्यान देने की जरूरत है, जो कि बहुत जल्दी हमसे दूर होने वाला है, एजिड प्रसंस अर्थात बुजुर्गों पर भी काम करने की आवश्यकता है, यह एक ऐसा वर्ग है जो वर्तमान दौर में काफी उपेक्षित है अर्थात उनकी सेवा करना अपेक्षित है। बाकी विषयों पर हमें बाद में भी सेवा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सरोज हारित ने की और कहा कि अगर कोई भी एनजीओ वित्तीय पारदर्शिता रखता है तो उसके सामने डोनेशन की समस्या नहीं आएगी प्राकृतिक और मानविकृत आपदाओं के समय एनजीओ के प्रयास बहुत ही प्रशंसनीय होते हैं। हमें पिछड़े अविकसित वर्गों के कल्याण तथा विकास के लिए कार्यक्रमों का निर्माण कर आमजन की पूर्ण सहभागिता प्राप्त कर कार्यक्रमों का क्रियान्वन करना चाहिए कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन से की संस्था के सचिव राजकौर राहड़ ने स्वागत भाषण दिया चर्चा सत्र में बनवारी लाल शर्मा खामोश प्रोफेसर सुरेंद्र डी सोनी इदरीश खत्री राज ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये कार्यक्रम में युक्ति संस्थान के प्रतीक चिन्ह का

विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं का सम्मान किया गया। जिसमें हिंदी साहित्य संसद के बनवारी लाल शर्मा खामोश लोक संस्कृति शोध संस्थान के श्यामसुंदर शर्मा भारत विकास परिषद के पंकज मिश्रा मूमल लोक कला शोध संस्थान के सुजान सिंह खींची ब्रह्माकुमारी संस्थान की सुमन बहन लायंस क्लब के राजीव शर्मा पुरस्कृत शिक्षक फॉर्म के ओमप्रकाश तंवर ओपी शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट के राजेंद्र शर्मा मुसाफिर राजस्थान लोक कला व विरासत संरक्षण अभियान के नितिन बजाज अणुव्रत समिति की लक्ष्मी कोठारी रॉयल विकलांग विकास संस्थान के अख्तर खान रूकनखानी, मंसूर अकादमी के अब्दुल मन्नान मजहर, विप्र नारी संघ की निहारिका शर्मा, निलयम वेलफेयर फाउंडेशन की सरला राव, चूरू एकता मंच के कपिल चंदेल, टैलेंट विला प्रदीप कत्थक इंसानियत एकता सेवा समिति के महबूब खान नसवान, उज्जवल उत्थान फाउंडेशन के अजय गोयल, शिव कला मंच के किशन लाल किरोड़ीवाल, समस्या समाधान समिति के सत्यनारायण व्यास ने सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर सुचित्रा कस्वा, पूजा सोनी, मुन्नी डागा, विजयकांत शर्मा, पुनीत लाटा, शैलेंद्र माथुर, मैनपाल सिंह, विनोद प्रजापत, संदीप जांगिड़, सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा के क्षेत्र में सभी संस्थाओं को मिलकर सहयोग की भावना को विकसित करना था। युक्ति सामाजिक शोध संस्थान के अध्यक्ष एडवोकेट रमेश सोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चूड़ी अजीतगढ़ में रात्रि चौपाल आयोजित, 32 प्रकरणों पर हुई सुनवाई

मंडावा (रॉयल पत्रिका)। मंडावा उपखंड की चूड़ी अजीतगढ़ ग्राम पंचायत में शुक्रवार को जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में कुल 32 प्रकरण परिवादियों द्वारा प्रस्तुत किए गए, जिनमें अधिकांश शिकायतें साफ-सफाई व्यवस्था, पंचायती राज विभाग एवं बिजली आपूर्ति से संबंधित रहीं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित राहत प्रदान करते हुए गुड गवर्नेंस सुनिश्चित करें। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करने के निर्देश दिए। चौपाल का संचालन जिला परिषद सीईओ कैलाश यादव ने किया। इस अवसर पर मंडावा एसडीएम मुनेश कुमारी, तहसीलदार सुरेंद्र भास्कर, एसई पीएचईडी राजपाल सिंह, एसई एवीवीएनएल महेश टीबड़ा, डीएसओ निकिता राठौड़, सीसीबी एमडी संदीप शर्मा, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी, समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन पूनिया, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, जिला उद्योग केंद्र महाप्रबंधक अभिषेक चौबदार, अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नेहा झाझड़िया तथा रोडवेज मुख्य प्रबंधक गिरीराज स्वामी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला, जिससे मौके पर ही कई प्रकरणों के समाधान की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

जनसेवा विकास समिति दुधवाखारा के पदाधिकारियों द्वारा ग्राम वासियों को होलिका पर्व की अग्रिम बधाई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती गांव दुधवाखारा में जन-सेवा विकास समिति के पदाधिकारीयों ने कहा किसभी के सतत् सहयोग से हम गांव में स्वास्थ्य, पर्यावरण और जल संरक्षण पर काम कर पाए हैं। आप सभी के सहयोग से हम निम्न कार्य पूरे कर पाए हैं -1. तालाब पर स्थित व धर्मशाला का जिर्णोद्धार। उपरोक्त कार्य में तथा जोहड़ में वाटर पंप लगाने में कुल खर्च रुपए 254000/- आया जिसके भुगतान की व्यवस्था हमारे संरक्षक डॉक्टर रामावतार शर्मा ने की है तथा रुपए 36000/- अतिरिक्त वाचनालय हेतु दिए हैं। 2. धर्मशाला में CCTV केमरा हमारे विशेष सदस्य मनफूल जांगिड़ द्वारा लगवाया

गया है 3. जोहड़ की चारदिवारी के बाहर, पशुओं के पानी पीने के लिए, खेल्रों का निर्माण हमारे विशेष सदस्य देवकरण दाधीच के द्वारा करवाया गया है तथा तालाब पर स्थित कुएं की साफ-सफाई और मोटर भी इनके द्वारा ही लगवाई जाएगी। हम हमारे उपरोक्त सहयोगियों का सम्मान व अभिनंदन करते हुए कहा होली के पर्व पर सभी ग्राम वासियों को अग्रिम बधाई आप सभी साथियों का पूर्ण सहयोग आगे भी बना रहेगा और हम गांव में सेवा का काम करते रहेंगे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

चांदपोल से लेकर रेलवे स्टेशन तक एकमात्र बिजनेस सेंटर जिसमें पूरी तरह पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है

-बेहतरीन कनेक्टिविटी और मॉडर्न सुविधाओं से लैस 5 मंजिला कॉम्प्लेक्स, 100% लोन सुविधा के साथ ऑफिस उपलब्ध

-जयपुर के 'हार्ट' में बिजनेस को दें नई उड़ान: सिंधी कैंप और रेलवे स्टेशन के पास 'मयंक ट्रेड सेंटर' बना नया कॉर्पोरेट हब

पर्किंग की फुल सुविधा

मयंक ट्रेड सेंटर चांदपोल से लेकर सिंधी कैंप, रेलवे स्टेशन एवं संसार चंद्र रोड के आसपास एकमात्र ऐसा बिजनेस कंपलेक्स है जिसमें पूरी तरह यहां आने-जाने वालों फोरव्हीलर और टूव्हीलर वाहन चालकों के लिए पूरी पार्किंग सुविधा है। मयंक ट्रेड सेंटर को सुविधाजनक पार्किंग होने के कारण दूसरे बिजनेस कंपलेक्स एवं बिजनेस सेंटर से अलग पहचान देती है। सिंधी कैंप क्षेत्र में व्यापार करने या जरूरत की वस्तुएं खरीदने आने वालों के लिए पार्किंग की सुविधा बहुत कम मिलती है। वाहन चालक हमेशा ही गाड़ी पार्क करने को लेकर चिंतित रहते हैं। मयूर ट्रेड सेंटर में फुल पार्किंग की सुविधा इसको दूसरे बिजनेस सेंटरों से अलग पहचान देती है।

जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर में अब अपने सपनों का ऑफिस बनाना और भी आसान हो गया है। शहर के बिल्कुल केंद्र (Centre of Jaipur) में स्थित 'मयंक ट्रेड सेंटर'में व्यापारियों और प्रोफेशनल्स के लिए ऑफिसेज सुनहरा मौका है। स्टेशन रोड स्थित यह 5 मंजिला अत्याधुनिक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स अब जयपुर का नया बिजनेस लैंडमार्क बनकर उभर रहा है।

कनेक्टिविटी है सबसे बड़ी यूएसपी (USP)-

किसी भी बिजनेस की सफलता उसकी लोकेशन पर निर्भर करती है। मयंक ट्रेड सेंटर की सबसे बड़ी खासियत इसकी 'सुगम कनेक्टिविटी' है। सिंधी कैंप बस स्टैंड, सिंधी कैंप मेट्रो स्टेशन और जयपुर रेलवे स्टेशन से महज चंद कदमों की दूरी पर स्थित होने के कारण यहां ग्राहकों और क्लाइंट्स का पहुंचना बेहद आसान है। साथ ही, चांदपोल स्टेशन की निकटता इसे शहर के हेरिटेज और आधुनिक दोनों हिस्सों से जोड़ती है। प्रमुख संस्थानों का केंद्र यह सेंटर शहर के प्राइम लोकेशंस जैसे कलेक्ट्रेट, न्यायालय (Court), एमआई रोड, सी-स्कीम और सिविल लाइंस के बेहद करीब है। इसी वजह से यह लोकेशन एडवोकेट्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (CA), आर्किटेक्ट्स और मीडिया प्रोफेशनल्स के लिए पहली पसंद बन रही है। इसके अलावा टूर एंड ट्रेवल्स, ज्वैलर्स, सॉफ्टवेयर कंपनियों, बैंगल्स कारोबार, बैंकर्स, MNCs और कॉरपोरेट ऑफिसेज के लिए यह एक आदर्श स्थान है। आधुनिक सुविधाएं और सुरक्षा मयंक ट्रेड सेंटर को आधुनिक कॉर्पोरेट जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। बिल्डिंग में फुल पार्किंग स्पेस, हाई-स्पीड लिफ्ट सुविधा और 24x7 सिक्योरिटी की पुख्ता व्यवस्था है, जो यहां काम करने वाले लोगों और विजिटर्स को एक सुरक्षित और आरामदायक माहौल प्रदान करती है। हर बजट के लिए ऑफिस स्पेस यहां छोटे स्टार्टअप से लेकर बड़ी कंपनियों तक, सभी के लिए जगह उपलब्ध है। सेंटर में 100 से लेकर 1500 स्क्वायर फीट तक के ऑफिस स्पेस उपलब्ध हैं। सबसे खास बात यह है कि खरीदारों और निवेशकों के लिए 100% लोन (Loanable) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे निवेश करना और भी आसान हो गया है।

संपर्क सूत्र: इस प्राइम लोकेशन पर अपने बिजनेस को स्थापित करने या निवेश के सुनहरे अवसर के लिए इच्छुक खरीदार 8386947005 पर संपर्क कर सकते हैं।

वादों को तेजी के साथ पूरा कर रही राज्य सरकार- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

-विकसित भारत 2047 के विजन का ग्रोथ इंजन बनेगा राजस्थान

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार सत्ता भाव से नहीं, संवेदनशीलता के साथ काम करती है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार राजस्थान को अवसरों की भूमि बनाने के लिए विरासत और विकास दोनों को साथ लेकर चल रही है। इन दो साल में राजस्थान विकास के नए पथ पर अग्रसर हुआ है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को अजमेर स्थित कायड़ विश्राम स्थली में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास की सौगात देने के बाद राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित राजस्थान से विकसित भारत के मंत्र पर हम लगातार काम कर रहे हैं। विकास के जिन वादों के साथ राजस्थान में डबल इंजन सरकार सेवा में आई थी, उन्हें तेजी के साथ पूरा कर रही है।

डबल इंजन सरकार में युवाशक्ति हो रही सशक्त

मोदी ने कहा कि आज करीब 17 हज़ार करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण से सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि दो साल पहले तक राजस्थान में भर्तियों में भ्रष्टाचार और पेपर लीक की ही खबरें आती रहती थीं। अब राजस्थान में पेपर लीक पर लगाम लगी है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो रही है। आज डबल इंजन सरकार में युवाशक्ति और सशक्त हो रही है। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले 21,863 युवाओं को शुभकामनाएं भी दी।

नारी शक्ति की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ किया समाधान

प्रधानमंत्री ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का शुभारंभ देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने कहा कि अगर मां स्वस्थ होती है, तो परिवार हर संकट का सामना करने में सक्षम रहता है। इसी भावना से केन्द्र सरकार ने महिलाओं को संबल देने वाली अनेक योजनाएं चलाई हैं। वर्ष 2014 से पहले के दौर में शौचालय की समुचित सुविधा नहीं होने से बहनों-बेटियों को पीड़ा और अपमान झेलना पड़ता था। अलग टॉयलेट की सुविधा नहीं होने के कारण बच्चियां स्कूल छोड़ देती थी। पहले इन समस्याओं की चर्चा तक नहीं होती थी। उन्होंने कहा कि हमने इन समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ मिशन मोड पर समाधान किया। गर्भावस्था के दौरान मां को पोषक आहार मिल सके इसके लिए 5 हजार रुपए बहनों के खाते में जमा करने की मातृ वंदना योजना शुरु की। महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए उज्जवला गैस योजना की शुरूआत की।

कनेक्टिविटी बढ़ने से राजस्थान में बढ़ रहे निवेश के अवसर

मोदी ने कहा कि आज का समय राजस्थान के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अच्छी सड़क, रेल और हवाई सुविधा से सिर्फ सफर आसान नहीं होता बल्कि पूरे क्षेत्र की किस्मत बदल जाती है, इसलिए हमारी सरकार राजस्थान में आधुनिक कनेक्टिविटी पर बहुत बल दे रही है। कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन बढ़ता है। पर्यटक आते हैं तो होटल, ढाबे, टैक्सी, गाइड आदि को काम मिलता है, राजस्थान के कारीगरों का बनाया सामान बिकता है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी बढ़ने से राजस्थान में निवेश के लिए अवसर भी बढ़ रहे हैं।

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंको में छपे लेखों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है, उमराह क्यों करना चाहिए, हवाई जहाज़ के टिकट और वीज़ा के ताल्लुक़ से क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ताकि धोखेबाज़ी से बच सकें।

आइये आज हम जानते हैं, होटल के बारे में क्या-क्या सावधानी रखनी है।

उमराह पैकेज बुक करवाते वक़्त कम से कम पैकेज बुक करने वाले से होटल का नाम, होटल की दूरी और होटल की कैटेगरी ज़रूर पूछ लें। होटल का नाम, दूरी और कैटेगरी को गूगल मैप / इंटरनेट पर ज़रूर चेक कर लें, क्यूंकि होटल में धोखाधड़ी के अवसर ज़्यादा हैं। बताई कोई और होटल और ठहराया किसी और होटल में। होटल की दूरी बताई 500 मीटर और ठहराया 1500 मीटर पर। होटल बताई 3 स्टार और ठहराया सादा होटल में।

उमराह पैकेज बुक करने वाले से ये ज़रूर पूछ लें कि एक कमरे में कितने लोग रुकेंगे। 3-4 लोगों के रुकने के बारे में बताया और 5-6 लोगों को एक ही कमरे में ठहरा दिया। अटैच लेट-बाथ बताया और बाहर एक कॉमन लेट-बाथ में मर्द और औरत सब जा रहे हैं। ये ज़रूर पूछें कि होटल में कितनी लिफ्ट हैं, कितनी मंज़िल हैं और होटल में कुल कितने कमरे हैं और कितने लोगों के रुकने की व्यवस्था है, अगर 20 मंज़िल की होटल में 400 कमरे हैं और 1600 लोग रुक सकते हैं तो कम से कम 10 लिफ्ट होनी चाहिए। कई बार सस्ते के चक्कर में 2-3 लिफ्ट वाली होटल में हाजी को रुकवा देते हैं, अब 2-3 लिफ्ट से इतने हाजी कैसे उतरेंगे। बहुत देर इंतज़ार करने के बाद लिफ्ट में नम्बर आया और नमाज़ निकल गयी। अब वहाँ काबा में नमाज़ पढ़ने का एक लाख गुना सवाब हैं, मतलब ज़ोहर की 12 रकात काबे में पढ़ ली तो अल्लाह तआला 12 लाख रकात का सवाब हाजी के नामा ए आमाल में लिखेगा। अब बताएं, सस्ते के चक्कर में एक लाख रकात का सवाब नामा ए आमाल में लिखने से रह गया। इसके अलावा लोग बोलते हैं कि होटल कि 2 किलोमीटर की दूरी की चिंता न करें। होटल से हरम शरीफ तक बस फ्री में लगायी जाएगी लेकिन होटल में 2000 लोग रुके हुए हैं, फ्री की बस सिर्फ 2 लगा रखी हैं जिसमें 50 सवारी के हिसाब से 100 लोग आ सकते हैं, बाकी के 1900 लोग बस का इंतज़ार कर रहे हैं और नमाज़ निकल गयी। अब या तो बस का इंतज़ार करें या पैरों में जान है तो पैदल चले जायें या टैक्सी कर लें। टैक्सी का आने और जाने का खर्चा 50 रियाल यानि 1200 रुपए लगभग। पांच बार टैक्सी कर ली तो एक दिन का 6000 रूपए। अब आप ही बताएं कि सस्ता उमराह महंगा पड़ा या सस्ता ? अगर 10-15 हज़ार रूपए पैकेज महंगा है और नज़दीक होटल मिल रही हैं तो आप ऊपर लिखी परेशानियों से बच सकते हैं और अपने आमाल नामे में एक लाख गुना सवाब लिखवा सकते हैं ।

एक और चीज़ देखने में आयी है कि सस्ती होटलों में जो लोग उमराह पर जाते हैं, उनके रिश्तेदार जो पहले से वहां नौकरी कर रहे हैं, हाजी से मिलने होटल के कमरे में जानबूझ कर घुस जाते हैं। 4-5 घंटे गप्पे लड़ाते हैं, दूसरी फैमिली जो उस कमरे में रुकी हुई हैं आराम नहीं कर पाती और अगले दिन की इबादतों पर असर पड़ता है। जबकि महंगी होटल वाले रिश्तेदारों के कमरे में जाने पर पाबन्दी लगा देते हैं जिससे सुकून और आराम करने के बाद इबादतें अच्छी तरह से हो पाती हैं। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

आज के लिए बस इतना ही, बाकी अगले हफ्ते इंशा अल्लाह। खुदा हाफिज !

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

दार-अल-अरक़म पब्लिक स्कूल में शैक्षिक एवं सामाजिक गतिविधियाँ

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दार-अल-अरक़म पब्लिक स्कूल, दिल्ली बाईपास रोड में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समय-समय पर अनेक शैक्षिक एवं सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में हाल ही में विद्यालय द्वारा कुछ विशेष गतिविधियाँ करवाई गईं, जिनका उद्देश्य छात्रों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

इन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों को गार्डन विज़िट, ब्लाइंड स्कूल विज़िट, साइंस पार्क विज़िट, अनाथालय (ऑर्फ़नेज होम) विज़िट तथा वृद्धाश्रम (ओल्ड एज होम) विज़िट करवाई गई। इन सभी स्थानों पर जाकर विद्यार्थियों ने अलग-अलग परिस्थितियों को देखा, समझा और उनसे महत्वपूर्ण सीख प्राप्त की। गार्डन विज़िट के दौरान छात्रों ने प्रकृति के महत्व को समझा और पौधों व पर्यावरण के बारे में ज्ञान अर्जित किया। ब्लाइंड स्कूल विज़िट ने छात्रों के मन में सहानुभूति, करुणा और दूसरों की मदद करने की भावना को विकसित किया। साइंस पार्क की यात्रा से छात्रों की वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिला और विज्ञान को समझने में रुचि पैदा हुई। अनाथालय और वृद्धाश्रम की यात्रा ने विद्यार्थियों को अपने माता- पिता के प्रति एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास कराया तथा मानवता और सेवा भाव का महत्व सिखाया। इन सभी गतिविधियों के बाद विद्यालय द्वारा छात्रों के लिए एक पिकनिक का आयोजन भी किया गया। पिकनिक के दौरान छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर कई मनोरंजक और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया। इससे छात्रों को खुशी, आपसी सहयोग और टीमवर्क का अनुभव मिला।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित । पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com